सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 344 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 27 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मन की बात : पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक को किया याद, जनगणना को बताया राष्ट्रीय जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार, 27 सितंबर को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख की बात की।

उन्होंने 9/11 आतंकी हमले की 25वीं बरसी और 2008 के मुंबई हमले को भी याद किया। 138वां एपिसोड 27 सितंबर को सुबह 11 बजे प्रसारित हुआ। पीएम मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र

किया। उन्होंने कहा कि उस समय भारतीय सेना के वीर जवानों ने एलओसी के पार जाकर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की थी। प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवादी हमलों के कारण भारत द्वारा लंबे समय से झेले जा रहे दर्द के खिलाफ निर्णायक प्रतिक्रिया के तौर पर याद किया।

उन्होंने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने बार-बार अपना रुख स्पष्ट किया है कि आतंकवाद के खिलाफ देश की नीति स्पष्ट है और आज भारत जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ रहा है।

मन की बात में प्रधानमंत्री ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले को भी याद किया। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका में हुए 9/11 हमले के 25 साल पूरे होने का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

138वें एपिसोड में जनगणना का भी मुद्दा प्रमुख रहा। इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने जनगणना को लेकर लोगों की भागीदारी पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी 'मन की बात' सामग्री में Census 2027 को डिजिटल प्रक्रिया के रूप में बताया गया है और लोगों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। पीएम मोदी ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े प्रमुख नेता अशोक सिंघल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल का जन्म 27 सितंबर 1926 को आगरा में हुआ था और उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने अशोक सिंघल के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने समाज में रहकर तपस्वी जैसा जीवन जिया। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को दिशा और ऊर्जा देने में उनकी भूमिका का भी उल्लेख किया।

खास-खबर

जशपुर में भीषण सड़क हादसा : तीन ट्रकों की जोरदार भिड़ंत

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के लावाकेरा में रविवार को एक सड़क हादसा हो गया। लावाकेरा पुलिस बैरियर के पास तीन ट्रकों की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के दौरान सड़क पार कर रही करीब 17 से 18 बकरियां भी ट्रकों की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यातायात प्रभावित होने से जाम की स्थिति पैदा हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, लावाकेरा पुलिस बैरियर के आसपास रविवार को सबसे पहले दो ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हुई। इसी दौरान पीछे से आ रहा तीसरा ट्रक भी अनियंत्रित होकर दोनों ट्रकों से जा टकराया। लगातार तीन वाहनों की टक्कर से मौके पर स्थिति गंभीर हो गई। बताया जा रहा है कि, हादसे के वक्त बड़ी संख्या में बकरियां सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रकों की चपेट में करीब 18 बकरियां आ गईं और उनकी मौत हो गई।

बारिश से धंसा था ट्रैक : 30 घंटे बाद फिर दौड़ी ट्रेन

बालोद। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच दुर्ग-दल्लीराजहरा रेलखंड पर इरागुड़ा के पास रेलवे ट्रैक धंसने के बाद बाधित रेल यातायात को बहाल करने की दिशा में बड़ी राहत मिली है। रेलवे की टीम ने करीब 30 घंटे तक लगातार काम करने के बाद ट्रैक को दुरुस्त किया। इसके बाद रविवार सुबह करीब 6:45 बजे इस मार्ग से पहली यात्री ट्रेन को ट्रायल के तौर पर गुजारा गया। लाटाबोड़ और गुंडरदेही स्टेशन के बीच इरागुड़ा के पास ट्रैक धंसने की घटना के बाद रेलवे ने यात्री ट्रेनों का संचालन रोक दिया था। लगातार बारिश के कारण सामने आई इस समस्या को दूर करने के लिए रेलवे की टीम ने दिन-रात काम किया। ट्रायल ट्रेन के गुजरने के बाद अब ट्रैक की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

झीरम घाटी मामले में राहुल गांधी से मिले पीड़ित परिवार

रायपुर। झीरम घाटी मामले को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पीड़ित परिवारों के प्रतिनिधियों ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। करीब 15 लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने बैठक के दौरान NIA की जांच, हालिया अदालत के फैसले और मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर चर्चा की। NIA की विशेष अदालत ने 16 सितंबर को मामले में 10 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। मुलाकात के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि राहुल गांधी के साथ करीब एक घंटे तक चर्चा हुई। बैठक में झीरम मामले की जांच और कोर्ट के फैसले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को लगता है कि अदालत के फैसले से उन्हें वह न्याय नहीं मिला जिसकी वे अपेक्षा कर रहे थे। अब आगे की कानूनी लड़ाई को लेकर विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। NIA के वरिष्ठ वकीलों से कानूनी सलाह लेने के बाद आगे की रणनीति सामूहिक रूप से तय की जाएगी।

रायपुर में ट्रिपल मर्डर : पति ने की पत्नी और दो बच्चों हत्या, चाकू से गोदकर मार डाला

माना थाना क्षेत्र की घटना, पत्नी के चरित्र पर शंका बनी वारदात की वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में तीन हत्याओं का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना रायपुर माना थाना क्षेत्र के डुमरतराई स्थित साहूपारा की है। पति ने अपनी पत्नी व दो बच्चों की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने खुद पर चाकू से हमला कर आत्महत्या की कोशिश की, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी को हिरासत में लेकर इलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

घटना के बाद पुलिस ने तीनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मेकाहारा भेज दिया है। घटनास्थल को सील कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस पड़ोसियों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच विवाद किस बात को लेकर हुआ था और किन परिस्थितियों में आरोपी ने पत्नी और दोनों बच्चों पर हमला किया। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, बालोद निवासी भुनेश्वर साहू अपने परिवार के साथ साहूपारा में किराए के मकान में रह रहा था। बताया जा रहा है कि देर रात विवाद के बाद उसने पहले अपनी पत्नी खिलेश्वरी साहू पर चाकू से हमला किया। इसके बाद उसने अपने दो बच्चों आशीष साहू (10) और ज्ञान साहू (8) पर भी चाकू से हमला कर दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

अस्पताल में भर्ती आरोपी

पत्नी और दोनों बच्चों की हत्या के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से हमला कर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस ने घायल आरोपी को इलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया है। उसका इलाज जारी है। जबकि पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मेकाहारा भेज दिया है और घटनास्थल को सील कर दिया गया है। फिलहाल, पुलिस घटना के कारणों और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

रायगढ़ में भरभराकर गिरा कच्चा मकान मलबे में दबने से महिला की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के पुसौर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। ग्राम नंदेली के महंत पारा में एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के वक्त घर के अंदर मौजूद परिवार के तीन सदस्य मलबे में दब गए। घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति और 15 वर्षीय बच्चे को गंभीर चोटें आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, अचानक मकान गिरने से रोहिणी महंत समेत उनके पति रतन दास और 15 वर्षीय बच्चा मलबे में दब गए। मकान गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। पड़ोसियों की मदद से मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला गया। हादसे में रोहिणी महंत की मौत हो गई, जबकि उनके पति और बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। पति और बच्चे को मेडिकल घायल रतन दास और 15 वर्षीय बच्चे की हालत को देखते हुए दोनों को रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुसौर पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कच्चा मकान किन परिस्थितियों में अचानक गिरा।

छात्रा से रेप की खबर से भड़के छात्र यूनिवर्सिटी में आगजनी व तोड़फोड़

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब की फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की एक छात्रा से कथित रेप की सूचना सोशल मीडिया ग्रुप्स में तेजी से वायरल हुई। वायरल सूचना के बाद यूनिवर्सिटी के छात्र भड़क गए गए और रात भर हंगामा किया। छात्रों ने न सिर्फ यूनिवर्सिटी में तोड़फोड़ की बल्की आगजनी भी की।

छात्रों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में तोड़फोड़ की और एक हिस्से में आग लगा दी। यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर हंगामे के बाद छात्रों ने दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर धरना देकर ट्रैफिक जाम कर दिया। इधर इस मामले में एसएसपी का कहना है कि जांच में रेप का कोई मामला सामने नहीं आया है।

इस मामले में छात्रों की शिकायत पर जी 3 हॉस्टल में रहने वाली एक छात्रा के साथ दुष्कर्म के आरोप में अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया गया है। डीआईजी नवीन सिंगला ने कहा कि दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स ने कहा है कि एफआईआर कॉपी मिलते ही हाईवे का जाम खोल दिया जाएगा। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भी दुष्कर्म के आरोपों को बेबुनियाद बताया। साथ ही स्टूडेंट्स से अपील की है कि वे अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी प्रदर्शन या धरने में भाग न लें। वहीं एसएसपी गौरव तूरा का कहना है कि जांच में दुष्कर्म का कोई मामला सामने नहीं आया है।

आज खुले बैंक : सोमवार से 3 दिन की हड़ताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 28 से 30 दिसंबर तक देशव्यापी बैंक हड़ताल का ऐलान किया है। इसलिए वित्त मंत्रालय के विशेष निर्देशों के तहत आज रविवार होने के बावजूद सभी सरकारी बैंकों को खुला रखा गया है ताकि ग्राहकों को असुविधा न हो। इसके चलते लोन डिपॉजिट से लेकर आरटीजीएस तक के काम, चेक क्लीयरेंस, केवाईसी और दस्तावेज जमा जैसे शाखा आधारित काम प्रभावित होंगे। वहीं सरकारी भुगतान और टैक्स से जुड़े बैंकिंग कार्यों पर असर पड़ सकता है।

बैंक शाखाओं में कैश जमा और निकासी काउंटर पर लेनदेन बंद रहेगा। बैंक कर्मचारियों की प्रमुख मांग 5 दिवसीय बैंकिंग लागू करना, पेंशन सुधार सहित अन्य मांगें शामिल हैं। ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लाइज एसोसिएशन ने बैंक कर्मचारियों की 28 से 30 सितंबर तक होने वाली देशव्यापी बैंक हड़ताल का समर्थन किया है। दरअसल, देशभर के बैंक कर्मचारी और अधिकारी 5 डे वर्किंग, शाखाओं में स्थायी

कर्मचारियों जैसे मैसेंजर, आर्ड गाड्र्स की कमी को पूरा करने के लिए नई नियुक्तियां किए जाने, आउटसोर्सिंग पर रोक, पीएलआई और पेंशन नियम सहित अन्य मांगों को लेकर 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल पर रहेंगे। इससे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की शाखाओं में चेक क्लीयरेंस, कैश डिपाजिट, विड्रॉल और पासबुक अपडेट जैसे कार्य प्रभावित रहेंगे।

हड़ताल से उत्पन्न दिक्कत को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्रालय के निर्देश पर 27 सितंबर रविवार को सरकारी बैंक खुले रखे गए हैं। बैंक कर्मचारियों की देशव्यापी हड़ताल से डीडी, पे-आर्डर सहित अन्य काउंटर सेवाएं प्रभावित रहेंगी। व्यापारिक भुगतान और बड़े काउंटर ट्रांजेक्शन पर असर होगा। सूत्रों के मुताबिक बैंक कर्मचारियों की देशव्यापी हड़ताल से प्रदेश में करीब 5 हजार करोड़ का लेनदेन प्रभावित होने का अंदेशा है।

एआईआईईए ने दिया हड़ताल को समर्थन

ऑल इंडिया एम्प्लाइज एसोसिएशन ने बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल का समर्थन किया है। अध्यक्ष धर्मराज महापात्र, महासचिव श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि इस हड़ताल की मुख्य मांग फाइव डे बैंकिंग वीक लागू करना है। बैंक कर्मचारियों के लिए सप्ताह में 5 दिन काम की मांग एक वैध और काफी समय से लंबित मांग है। मार्च 2024 में द्विपक्षीय समझौता प्रक्रिया के दौरान उद्योग स्तर पर सहमति बनने के बावजूद यह मुद्दा अभी तक अनसुलझा है। आवश्यक सरकारी मंजूरी मिलने में लगातार देरी ने बैंक कर्मचारियों के बीच गहरी चिंता और असंतोष पैदा कर दिया है। इस देरी से नाराज होकर यूएफबीयू ने निर्णय लिया है कि यदि उनकी मांगें अनसुलझी रहती है तो वे 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

संपादकीय

चुनाव आयोग के विवाद पर विराम

पिछले दिनों एक अंग्रेजी दैनिक की इस खबर ने यह जो हंगामा खड़ा कर दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कई निर्णयों से दो अन्य चुनाव आयुक्त विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने असहमति जताई थी और दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव से अपनी शिकायत भी दर्ज कराई थी, उसे चुनाव आयोग की ताजा बैठक ने शांत करने का भी काम किया और उन सवालों के जवाब भी दिए, जो उक्त खबर को लेकर उठे थे और जिनके आधार पर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ-साथ मोदी सरकार पर निशाना साधने में जुट गया था। चूंकि चुनाव आयोग की बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ दोनों मुख्य चुनाव आयुक्त भी शामिल हुए, इसलिए इन अफवाहों पर विराम भी लगा कि तीनों में अनबन है। इस बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति से यह साफ हुआ कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को जो चिट्ठी लिखी थी, वह आयोग की किसी नीति से संबंधित नहीं, बल्कि आयोग में डेपुटेशन पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित थी।

> “ प्रेस विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया गया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर जो भी फैसले लिए गए, वे आम सहमति से लिए गए। चुनाव आयोग ने यही बात पिछले दिनों भी कही थी। उस पर यकीन न करने का कोई कारण नहीं था, क्योंकि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार फैसले या तो सहमति से लिए जाते हैं या फिर बहुमत से। जहां तक असहमति की बात है तो किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान मतभेद होना स्वाभाविक हैं। इन मतभेदों को तूल देने का कोई औचित्य नहीं बनता था, लेकिन ऐसा ही किया गया। चुनाव आयोग की ताजा प्रेस विज्ञप्ति यह भी बता रही है कि दोनों चुनाव आयुक्तों की ओर से कथित तौर पर फार्म-6 में बदलाव को लेकर आपत्ति जताने की बात सही नहीं थी।

प्रेस विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया गया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर जो भी फैसले लिए गए, वे आम सहमति से लिए गए। चुनाव आयोग ने यही बात पिछले दिनों भी कही थी। उस पर यकीन न करने का कोई कारण नहीं था, क्योंकि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार फैसले या तो सहमति से लिए जाते हैं या फिर बहुमत से। जहां तक असहमति की बात है तो किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान मतभेद होना स्वाभाविक हैं। इन मतभेदों को तूल देने का कोई औचित्य नहीं बनता था, लेकिन ऐसा ही किया गया। चुनाव आयोग की ताजा प्रेस विज्ञप्ति यह भी बता रही है कि दोनों चुनाव आयुक्तों की ओर से कथित तौर पर फार्म-6 में बदलाव को लेकर आपत्ति जताने की बात सही नहीं थी। इसका आधार इसलिए भी नहीं बनता था, क्योंकि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान हुए एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि फार्म-6 में जो अतिरिक्त घोषणापत्र जोड़ा गया, वह वैध है। आखिर जिस बदलाव को सुप्रीम कोर्ट ने वैध और आवश्यक माना, उसे लेकर कोई चुनाव आयुक्त आपत्ति कैसे जता सकता था?

चुनाव आयोग का एक प्रमुख काम देश के हर योग्य मतदाता को वोट देने के लिए अधिकृत करना और अयोग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाना भी है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि मौजूदा मतदाता सूचियों में अनेक ऐसे नाम हैं, जो या तो कहीं स्थानांतरित हो चुके हैं या फिर जिनका निधन हो चुका है। इसी तरह तमाम नामों का दोहराव भी है। मतदाता सूचियों में अनेक नाम घुसपैठियों के भी हैं। यह एक तथ्य है कि पिछले दशकों में देश में बड़े पैमाने पर घुसपैठ हुई है और घुसपैठियों ने छल-छद्म से आधार एवं अन्य दस्तावेजों के अलावा मतदाता पहचान पत्र भी हासिल कर लिए हैं। देश के सीमांत राज्यों में ऐसा अधिक हुआ है और इसका कारण यह है कि इन राज्यों के राजनीतिक दलों ने घुसपैठियों को मतदाता बनाने का काम जानबूझकर किया है, ताकि चुनावी लाभ हासिल किया जा सके।

मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद से लगातार यह स्पष्ट करती रही है कि वह घुसपैठियों को बाहर निकालेगी। यह तभी संभव है, जब उनकी पहचान होगी। यह ठीक है कि चुनाव आयोग का काम ऐसे लोगों की पहचान करना नहीं है और न ही सरकार ने चुनाव आयोग को यह कहा है कि वह इनकी पहचान करे, लेकिन यह देखना तो उसका दायित्व है ही कि मतदाता सूची में शामिल नाम भारतीय नागरिकों के हों। यदि यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग लोगों से आवश्यक दस्तावेज दिखाने को कहता है और इस क्रम में उन्हें नोटिस भेजता है तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को यह देखना ही चाहिए कि कोई भी ऐसा नागरिक मतदाता न बनने पाए, जो भारत का नागरिक न हो। इसके लिए चुनाव आयोग को फार्म-6 के जरिये लोगों से आवश्यक जानकारी मांगनी होगी और उनके दस्तावेजों का परीक्षण भी करना होगा, क्योंकि अनेक लोगों ने फर्जी पहचान पत्र हासिल कर रखे हैं या उन्हें गलत तरीके से बनवा लिया है।

आदिवासी विकास की असली कसौटी : योजनाएं बढ़ीं, लेकिन हक और अवसर कितने मिले?

आदिवासी समुदाय के विकास की पड़ताल अमूमन पक्की सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी योजनाओं के भारी-भरकम आंकड़ों से ही शुरू होती है। बेशक, किसी भी समाज की तरक्की के लिए इन बुनियादी सुविधाओं का होना पहली शर्त है। बीते कुछ वर्षों में केंद्र और राज्यों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर केंद्रित कई नीतियां बनाई हैं। 'पीएम-जनमन' और 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं।

धरती आबा अभियान के जरिए 17 मंत्रालयों की 25 योजनाओं को मिलाकर 63,843 आदिवासी गांवों के विकास का 'मास्टरप्लान' तैयार किया गया है, ताकि आने वाले पांच वर्षों में पांच करोड़ से अधिक आदिवासियों तक इसका सीधा फायदा पहुंच सके। लक्ष्य बड़ा है, लेकिन यहीं से आदिवासी विकास का असली विमर्श शुरू होता है। सवाल यह नहीं कि योजनाएं हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनका लाभ मिला या नहीं। अगर कोई सुविधा मिली, तो क्या वह अवसर में बदली? और अवसर मिला, तो क्या वह अधिकार में तब्दील हुआ? अगर इन सवालों के जवाब 'हां' हो, तभी कोई सड़क महज रास्ता न रहकर विकास की रेखा बन पाती है।

शिक्षा और संस्कृति

आदिवासी बच्चों की शिक्षा पर हमारी सोच अक्सर स्कूल के गेट पर खत्म हो जाती है। बच्चा स्कूल पहुंच गया, दाखिला हो गयाज् मतलब सब ठीक हो गया। मगर असल कहानी इस चौखट के भीतर से शुरू होती है। सरकार कागजों पर एकलव्य विद्यालयों के आंकड़े गिनाती है- 728 स्वीकृत, 518 चालू और 1.70 लाख बच्चे। मगर इमारतों से ज्यादा जरूरी उनके भीतर की हकीकत है। क्या वहां पर्याप्त शिक्षक हैं? क्या शुरुआती पढ़ाई उनके अपने परिवेश से जुड़ती है? जब बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए परिवार से दूर इन आवासीय विद्यालयों में रखा जाता है, तो उनकी सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की जिम्मेदारी और भी गंभीर हो जाती है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आदिवासी आश्रम स्कूल में बिस्तर के अभाव में जमीन पर सो रही तीन बच्चियों की सांप के काटने से हुई मौत का मामला इसी सवाल को सामने लाता है। एकलव्य विद्यालयों में स्थानीय भाषाओं और संस्कृति को जगह देने की पहल जरूर की गई है, लेकिन सिर्फ व्यवस्था बना देना काफी नहीं। स्थानीय भाषा से परिचित शिक्षक न हों, तो बच्चों से सहज संवाद मुश्किल होता है। कई जगह यह व्यवस्था महज खानापूर्ति साबित हो रही है। शिक्षा आदिवासी बच्चों को आगे बढ़ाए, लेकिन उनकी भाषा और पहचान को पीछे छोड़े बिना। यही संतुलन शिक्षा को सही मायने में अवसर बना सकता है।

सुविधाओं की हकीकत

आदिवासियों के स्वास्थ्य की सच्चाई सिर्फ अस्पतालों या स्वास्थ्य केंद्रों की गिनती से तय नहीं होती। मीलों का सफर, आने-जाने का खर्च और स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक एवं दवाओं की गैरमौजूदगी, सुविधाओं की इन इमारतों को बेमानी कर देती है। मातृ स्वास्थ्य से लेकर कुपोषण और मलेरिया जैसी समस्याएं इसी आधी-अधूरी व्यवस्था का नतीजा है। 'पीएम-जनमन' के तहत चल रहीं 800 से ज्यादा सचल चिकित्सा इकाइयां एक अच्छी पहल जरूर हैं, लेकिन इनका कभी-कभार गांव पहुंचना और जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज मिलना, दोनों बिल्कुल अलग बातें हैं। आदिवासी आबादी को प्रभावित करने वाली आनुवंशिक बीमारी 'सिकल सेल' इस चुनौती की सबसे बड़ी मिसाल है।सरकारी अभियान के तहत 16 जुलाई, 2026 तक 7.24 करोड़ लोगों की जांच हुई, जिनमें से इस बीमारी के 2,47,961 मरीज पाए गए, जबकि 20,35,181 लोगों की पहचान इस बीमारी के वाहक के रूप में की गई। मगर हकीकत इन आंकड़ों से भी परे है। वर्ष 2026 में राजस्थान के अध्ययन और महाराष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि मीलों दूर स्वास्थ्य केंद्र, महंगा इलाज, खस्ताहाल ढांचा और कर्मियों की कमी मरीजों के रास्ते की बड़ी दीवार है। बीमारी पकड़ में आने के बाद सुविधाओं के अभाव और सामाजिक झिझक के कारण नियमित जांच कराना बहुत कठिन हो जाता है।

आजीविका का आधार

आदिवासी समाज के लिए जल, जंगल और जमीन सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। उनकी रोजमर्रा की कई जरूरतें इन्हीं से जुड़ी हैं। ऐसे में किसी इलाके में खनन, उद्योग, सड़क या दूसरी परियोजना आती है, तो उसे सिर्फ विकास कह देना पर्याप्त नहीं है। यह भी देखना होगा कि उससे स्थानीय लोगों की जमीन, आजीविका और पर्यावरण पर क्या असर पड़ा तथा फैसले में उनकी आवाज कितनी शामिल थी। इस संदर्भ में वन अधिकार कानून, 2006 महत्त्वपूर्ण है। इसके तहत जंगल पर लंबे समय से निर्भर परिवार और समुदाय अपने पारंपरिक अधिकारों की मान्यता के लिए दावा कर सकते हैं। 30 जून, 2026 तक देश भर में ऐसे 54 लाख से अधिक व्यक्तिगत दावे सरकारी महकमों को प्राप्त हुए थे, जिनमें करीब 25.42 लाख को मंजूरी देकर अधिकार-पत्र दिए गए। इनमें से दस लाख से अधिक दावे अभी लंबित थे। इसी अवधि में 19,845 सामुदायिक वन अधिकारों को भी मान्यता दी गई। मगर कागज पर अधिकार मिलना और जमीन पर उसका लाभ मिलना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कई जगह प्रक्रिया की जानकारी का अभाव, दस्तावेजों की जटिलता और प्रशासनिक अड़चनें रास्ता रोक देती हैं।

आदिवासी इलाकों से पलायन को सिर्फ रोजगार की तलाश मान लेना तस्वीर के एक हिस्से को ही दर्शाता है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के मुताबिक, करीब अस्सी फीसद आदिवासी आबादी खेती और जंगल आधारित आजीविका पर निर्भर है। ऐसे में अगर जमीन, वन उपज और स्थानीय काम के अवसर कमजोर पड़ते हैं, तो गांव में टिके रहना भी मुश्किल होता जाता है। सवाल यह भी है कि क्या विकास गांव में इतनी आजीविका छोड़ रहा है कि लोगों को अपनी जमीन और घर छोड़कर रोजी की तलाश में बाहर न जाना पड़े?

सौजन्य : जनसत्ता

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व आर्थिक मंच डब्बूईएफद्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रौचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हांलाकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है। नएस्थान तलाशें

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्बूईएफने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरु किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है। हांलाकि बीस सालों में रेंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सशक्तिकरण चार ऐसे क्षेत्र है जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाएं तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीवितता में 95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रुप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रुप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हांलाकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार सुधार देखा जा रहा है। कुल कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से बढ़ोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है।

तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर हैं। खासतौर से मंत्रीमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर ड़ाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हांलाकि फ्री बीज जैसी लुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा।

संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरिटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रेंक होने के बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरिटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफहो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरुरी हो गया है। देश में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पंचायतों, निकाओं आदि में महिलाओं के आरक्षण से राजनीति में जो भागीदारी देखी जा रही है वह संभव हो पाई हैं। निर्णय के स्तर पर भी महिलाएं अधिक स्वतंत्र हुई है और चुनाव नतीजे इस बात को पुष्ट भी करते हैं। अब महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग स्वविवेक से करने लगी है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ आइसलैंड भले ही शीर्ष पर हो पर दुनिया के अधिकांश इस दौड़ में अभी बहुत पीछे हैं। शत-प्रतिशत स्कोर की तो अभी कल्पना करना बेमानी ही होगा। पर सकारात्मक पक्ष यह है कि लैंगिक गैप में अब काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य का क्षेत्र इसका बड़ा उदाहरण है। आर्थिक मोर्चों पर भी महिलाओं की भागीदारी भले ही कम हो पर शीर्ष स्तर पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी देखी जा सकती है। इसलिए चुनौती अवश्य है पर हालात सकारात्मकता की और संकेत कर रहे हैं।

- इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।

जेन-जी से चुनाव आयोग तक दावों और धारणाओं का खेल

सुधीश पचौरी

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव यानी 'डूसू' हम जीते। 'जेन-जी' हमारे साथ..! 'डूसू' हम हारे, लेकिन जरा से अंतर से हारे। इस तरह 'जेन-जी' हमारे भी साथ..! हर बंदा 'जेन-जी' का भजन करने में लगा है, जैसे 'जेन-जी' ही उसका उद्धार करेगी। सर जी! 'जेन-जी' को इतना सिर न चढ़ाओ कि कल को उतार भी न सको। एक बार फिर पूर्व उपराष्ट्रपति ने एक विवाद खड़ा किया। उन्होंने नेहरू का हवाला देते हुए कहा कि दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता ज्यादा खतरनाक है..! प्रतिक्रिया में सत्ता प्रवक्ता पूर्व उपराष्ट्रपति के ऐसे ही कुछ बयानों की लाइन लगाकर उनको 'हिंदू विरोधी' सिद्ध करने लग जाते हैं और 'ध्रुवीकरण' होने लगता है।

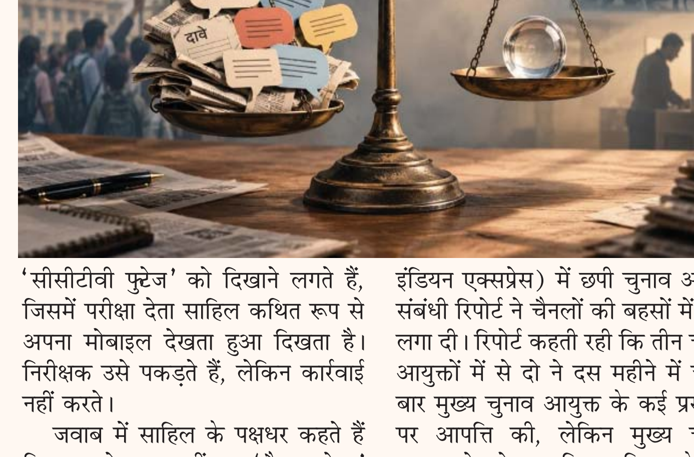

बहरहाल, मीडिया में आइआइटी मुंबई के छात्र साहिल की कहानी जारी रहती है। बहुत से छात्र साहिल को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन कर एक प्रोफेसर को हटाने की मांग करने लगते हैं। साहिल के माता-पिता भी आरोप लगाते हैं कि उसे पहले से परेशान किया जा रहा था, लेकिन आइआइटी मुंबई के अलावा अन्य कई प्राध्यापक भी यह कहते हुए प्रोफेसर के पक्ष में आते हैं कि उसने तो अपनी ड्यूटी की। फिर एक दिन कुछ चैनल उस 'सीसीटीवी फुटेज' को दिखाने लगते हैं, जिसमें परीक्षा देता साहिल कथित रूप से अपना मोबाइल देखता हुआ दिखता है। निरीक्षक उसे पकड़ते हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं करते।

जवाब में साहिल के पक्षधर कहते हैं कि वह मोबाइल नहीं था, 'कैलकुलेटर' था। सच क्या है, जांच के बाद ही मालूम होगा। कई चर्चकों ने 'अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम' पर 'एक तरफ झुका' होने का आरोप लगाया। कुछ का मत रहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों पर आज भी अत्याचार होते हैं, इसीलिए कानून बना है। इसकी आलोचना गलत है।

इसी बीच, एक अंग्रेजी अखबार (द इंडियन एक्सप्रेस) में छपी चुनाव आयोग संबंधी रिपोर्ट ने चैनलों की बहसों में आग लगा दी। रिपोर्ट कहती रही कि तीन चुनाव आयुक्तों में से दो ने दस महीने में चौदह बार मुख्य चुनाव आयुक्त के कई प्रस्तावों पर आपत्ति की, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने इसे लागू किया। विपक्ष के एक बड़े वकील साहब ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्त बराबर का अधिकार रखते हैं, तो भी फैसले सर्वसम्मति से ही होते हैं, लेकिन मुख्य आयुक्त ने इस मामले में भी मनमानी की।

विपक्ष के नेता ने इसे पकड़ा और मीडिया को बताया कि वे तो पहले से ही कह रहे हैं कि वोट चोरी हुई है। अब सिद्ध हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार से मिले हुए हैं। चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था नहीं है। पिछले कई चुनाव सत्ता के पक्ष में चोरी किए गए हैं। कई विपक्षी नेता भी बोले कि इस सबके लिए 'मुख्य चुनाव आयुक्त' जिम्मेदार हैं। वे इस्तीफा दें। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री भी जिम्मेदारी लें।

सर्वसम्मति के दावे और असहमति के सवाल

जवाब में चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि आयोग के सदस्यों में मतभेद होते हैं, हो सकते हैं, लेकिन फैसले 'सर्वसम्मति' से होते हैं। आलोचक पूछते रहे कि जब सब सर्वसम्मति से फैसले हुए, तब दो सदस्यों ने चौदह बार असहमति क्यों जताई और कैबिनेट सचिव तक को भेजी। सत्ता प्रवक्ताओं ने चुनाव आयोग का बचाव किया कि फैसले बहुमत से हुए हैं। जवाब में विपक्ष के बड़े नेता ने मीडिया को बताया कि हर सरकार को एक वक्त के बाद 'सत्ता विरोधी लहर' झेलनी पड़ती है, लेकिन भाजपा की सरकारों के लिए कभी कोई 'सत्ता विरोधी लहर' नहीं होती। मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार के खिलाफ 'कोई लहर' को बनने ही नहीं देते। इसलिए ये गुजरात में तीस साल से जीतते आ रहे हैं और कई राज्यों में भी यही हाल है।

फिर सबसे बड़े विपक्षी दल ने एलान किया कि वह देशभर में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग करने जा रहा है। जब तक वे नहीं हटते निष्पक्ष चुनाव असंभव है। शुक्रवार से ही कई राज्यों में विपक्षी कार्यकर्ताओं ने 'पुतला फूंक' प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट में भी जा चुका है। अफसोस कि मुख्य चुनाव आयुक्त आरोपों का सीधा खंडन करने आगे नहीं आए। एक स्पष्टीकरण भेज दिया। इससे विपक्ष के नेता के आरोप और भी यकीन करने योग्य बन जाते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष की बनाई 'धारणा' जम के चल रही है। जबकि सत्ता प्रवक्ताओं की 'धारणा' भोथरी दिखती है, क्योंकि वे 'मुख्य चुनाव आयुक्त' की 'छाया' बनकर बोलते हैं, जिनके जवाब 'हजम' नहीं होते। ऐसे मामलों में 'सच' बड़ा त्रासद होता है। ऐसे में हम दोनों पक्षों से यही कहेंगे कि 'सजन रे झूठ मत बोलो..!'

पहले जमुई, फिर दिल्ली, फिर समस्तीपुर, फिर बांका। सर्वत्र लड़कियां अपने दोस्त के साथ निकलती हैं। कुछ गुंडे उनसे छेड़छाड़ करते हैं, तो कहीं दोस्त को भगाते हैं और लड़की से बलात्कार करते हैं, वीडियो बनाते हैं, प्रचारित करते हैं और पुलिस देखती रह जाती है। वह तो गनीमत है कि मीडिया ने इनको लेकर सरकारों पर दबाव बनाया है, तब जाकर पुलिस सख्ती पर आई है और कुछ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है।

पुरुष भूखा जानवर है और औरत उसका खाना!

नमिता जोशी

भूखे के आगे खाना रखा होगा तो बंदा खाएगा ही। रेप जैसी घटना के बाद समाज की सोच को समझने के लिए शायद इससे ज्यादा भयावह वाक्य की जरूरत नहीं। क्योंकि इस एक वाक्य में वह पूरी मानसिकता समाई हुई है जो हर बार अपराधी के अपराध से ज्यादा महिला की वहां मौजूदगी पर सवाल उठाती है। लड़की वहां गई क्यों थी? शाम को निकलने की क्या जरूरत थी? इतनी देर पार्क में क्या कर रही थी? घर में नहीं रह सकती थी?

और अब आलम यह है कि दिल्ली के पार्कों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्क्स्न्न के जवान तैनात किए जा चुके हैं। यानी दुश्मनों से सीमा की रक्षा करने वाली फोर्स अब राजधानी के पार्कों में महिलाओं की भी सुरक्षा कर रही है पुरुषों से! सुरक्षा चाहिए तो बिल्कुल, लेकिन सवाल यह है कि आखिर हम यहां तक पहुंचे कैसे? और अगर हर बार हल यही है कि लड़की की आजादी कम करो, उसे शाम को बाहर मत निकलने दो, पार्क में मत बैठने दो, अकेले मत जाओ तो फिर शायद अगला कदम भी साफ है। क्यों न ह्लस्न्न-श्व1द्दठ कर दिया जाए? ह्लस्न्न तारीखों को शाम 7 बजे के बाद लड़कियां बाहर निकलें और लड़के घर में रहें। श्व1द्दठ तारीखों को लड़के बाहर निकलें और लड़कियां घर में। जैसे प्रदूषण कम करने के लिए गाड़ियों का किया था, वैसे ही क्राइम कम करने के लिए इंसानों का कर लेते हैं। और अगर इससे भी बात न बने तो शायद पार्कों के बाहर बोर्ड लगा दें - आज लड़कियों के लिए प्रवेश वर्जित है। आखिर लड़की को रोकना ही तो सबसे आसान उपाय है।

लेकिन यह व्यंग्य जितना बेतुका लगता है, हमारी असल सोच उससे बहुत दूर नहीं है। 21 सितंबर की शाम दिल्ली के कालकाजी इलाके के आस्था कुंज पार्क में एक नाबालिग लड़की के साथ तीन लोगों द्वारा कथित गैंगरेप की घटना सामने आई। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और लड़की और उसके दोस्त को डराकर अलग किया। तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी की खबर सामने आ चुकी है। घटना के बाद पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे। 142 एकड़ में फैले इस पार्क में रोशनी, निगरानी और ष्टष्टञ्जङ्क व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

सरस्वती शिशु मंदिर में विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से गाए वंदे मातरम

दुर्ग । सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कसारीडीह में नमामि भारतम् अभियान अंतर्गत वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के अवसर पर एक समय, एक लय, एक स्वर वन्दे मातरम सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय की प्राचार्य कृपा शर्मा ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शासकीय विद्यालय हनोदा की शिक्षिका डॉ. प्रज्ञा सिंह ने वन्दे मातरम् को राष्ट्रशक्ति का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह गीत राष्ट्रीय चेतना की आवाज बन चुका है। उच्च शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने वन्दे मातरम् गीत की प्रत्येक पंक्ति का अर्थ और भावार्थ विस्तार से समझाया। श्री यादव ने कहा कि वन्दे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना को अभिव्यक्त करने वाला राष्ट्रीय चेतना का स्वर है। उन्होंने विद्यालयों में वन्दे मातरम् के सामूहिक गायन को लेकर शासन की पहल की जानकारी भी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं सरस्वती शिक्षा समिति की सहसचिव डॉ. शांति शर्मा ने वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्र की रक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी को राष्ट्रहित में वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन करना चाहिए।

रमला बाई के लिए तिनके का सहारा बनी राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना

दुर्ग। जीवन में कई बार ऐसा मोड़ आ जाता है जब खुशहाल जिंदगी अचानक दुखों के अंधेरे में डूब जाती है। कसही गांव की रहने वाली श्रीमती रमला बाई पटेल के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। 3 सितंबर 2025 का दिन उनके परिवार के लिए काल बनकर आया, जब उनके पति श्री हुबलाल पटेल का अचानक निधन हो गया। पति के चले जाने से न केवल रमला बाई पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, बल्कि घर का कमाने वाला सदस्य खो देने से परिवार के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया। रोजमर्रा की जरूरतों और जीवन यापन को लेकर अनिश्चितता छा गई। अधिक पढ़ी-लिखी न होने के कारण रमला बाई को सरकारी योजनाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

कठिन और निराशाजनक समय में ग्राम पंचायत कसही की सरपंच संकटमोचक बनकर उभरी। सरपंच योगेश्वरी गायकवाड़ और ग्राम पंचायत सचिव खुद रमला बाई के घर पहुंचे। उन्होंने न केवल दुखी परिवार को ढांढस बंधाया, बल्कि 'राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना' के बारे में विस्तार से बताया। जब रमला बाई के बीपीएल रिकॉर्ड देखा गया तो उनका नाम बीपीएल सर्वे वर्ष 2002-03 में दर्ज पाया गया। इसके बाद पंचायत प्रतिनिधियों ने खुद पहल करते हुए फॉर्म भरने से लेकर जरूरी कागजी कार्यवाही तक पूरी मदद की। लेने के लिए जनपद या जिला पंचायत कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ेंगे।

महिलाओं ने बताई भोजन की समस्या, मंत्री गजेन्द्र यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर पहुंचकर बांटे भोजन पैकेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में बीते दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच आज मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और प्रभावित परिवारजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।

इस दौरान कई महिलाओं ने बारिश के कारण उत्पन्न हुई भोजन की समस्या से उन्हें अवगत कराया।

दुर्ग की जनता के परिवारों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री गजेन्द्र यादव ने शाम को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को भोजन पैकेट वितरित किए। उन्होंने परिवारजनों से संवाद करते हुए उनकी परेशानियों को सुना और इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मंत्री श्री यादव ने कहा कि लगातार बारिश के कारण प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की टीम के साथ लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है तथा जरूरत के अनुसार भोजन, सुरक्षित ठहरने सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस परिस्थिति में जनप्रतिनिधि, प्रशासन और कार्यकर्ताओं की टीम मिलकर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने का कार्य कर रही है। जिन क्षेत्रों में भी आवश्यकता सामने आ रही है, वहां तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की संकट की इस घड़ी में दुर्ग विधानसभा के हर परिवार के साथ खड़ा हूं। प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास लगातार जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों एवं मैदानी अमले से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की लगातार जानकारी लेते रहने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण किसी भी परिवार को परेशानी न हो, इसके लिए सभी स्तरों पर समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है।

सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने भिलाई में लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन को किया संबोधित

'माय एरिया, माय रिस्पॉन्सिबिलिटी' एवं 'लाइन ऑफ फायर' पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने 26 सितम्बर 2026 को सिविक सेंटर, भिलाई स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय सहभागिता एवं जिम्मेदारी पर जोर दिया। लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन में संयंत्र के अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेका कर्मियों, सुपरवाईजर एवं सुरक्षा योद्धाओं ने सहभागिता की।

मुख्य महाप्रबंधक (एसईडी) श्रीमती पुष्पा एम्ब्रोस एवं उप महाप्रबंधक, सीएमडी सचिवालय, अमित कुमार द्वारा कार्यस्थल पर सुरक्षा, सुरक्षित कार्यप्रणालियों एवं सुरक्षा से जुड़ी प्रमुख पहलों पर प्रस्तुति दी गई।

लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन को संबोधित करते हुए डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि संयंत्र में कोई भी जनहानि न हो और प्रत्येक कर्मचारी अपनी हर पाली के बाद सुरक्षित अपने घर लौटे। उन्होंने सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए 'माय एरिया, माय रिस्पॉन्सिबिलिटी' एवं 'लाइन ऑफफायर' के सिद्धांतों को कार्य व्यवहार का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने असुरक्षित कार्यप्रणालियों के प्रति शून्य सहनशीलता तथा परमिट टू वर्क एवं उचित शटडाउन प्रक्रिया सहित निर्धारित सुरक्षा प्रणालियों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यबल के सभी वर्गों से सुरक्षित कार्यप्रणालियों के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया।

लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन के दौरान डॉ. अशोक कुमार पंडा ने प्रतिभागियों से सीधे संवाद करते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर उनके विचार, अनुभव एवं सुझाव सुने। प्रतिभागियों ने सुरक्षित कार्यप्रणालियों तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा को और सुदृढ़ करने से संबंधित अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) सुनिशा बाउल ने किया तथा आभार प्रदर्शन मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा ने किया।

लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन से पूर्व डॉ. अशोक कुमार पंडा ने भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रमुख उत्पादन इकाइयों एवं परियोजना विभाग का दौरा कर परिचालन गतिविधियों तथा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कोक ओवन बैटरी-8 में उन्होंने विभागीय अधिकारियों से संवाद कर परिचालन प्रक्रियाओं की जानकारी ली तथा सुरक्षित एवं कुशल संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। प्लेट मिल में उन्होंने परिचालन गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद किया। उन्होंने 'लाइन ऑफ फायर' की अवधारणा के महत्व पर जोर देते हुए कर्मचारियों से संभावित खतरों के प्रति सजग रहने तथा ऐसे स्थानों पर खड़े होने से बचने का आह्वान किया, जहां चल रहे उपकरणों अथवा अन्य जोखिमों से उनकी सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने 'माय एरिया, माय रिस्पॉन्सिबिलिटी' की भावना को अपनाने पर भी जोर दिया।

एसएमएस-3 में कर्मचारियों से संवाद के दौरान डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा कि उत्पादन से पहले सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी को कोई असुरक्षित स्थिति या गतिविधि दिखाई देती है, तो वह उत्पादन रोकने के लिए पूरी तरह अधिकृत है। सुरक्षा के हित में आगे बढ़कर हस्तक्षेप करने और उत्पादन रोकने वाले कर्मचारियों को उनके इस सक्रिय प्रयास के लिए उचित रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

शिवनाथ नदी उफान पर, पुराने पुल से 2 फीट ऊपर बह रहा है पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश शुक्रवार देर रात थमने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है, लेकिन मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी तेज बारिश की चेतावनी ने चिंता बढ़ा दी है। शनिवार को फिलहाल बारिश थमी हुई है, बावजूद इसके शिवनाथ नदी समेत जिले के नदी-नालों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन, नगर निगम और एसडीआरएफ की टीमें शिवनाथ नदी पुल सहित तटवर्ती क्षेत्रों में अलर्ट मोड पर हैं।

पिछले दो दिनों में हुई बारिश ने जिले में 43 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। करीब 40 घंटे के दौरान 7.45 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि महज 9 घंटे में ही 5.53 इंच वर्षा हुई। लगातार हुई झमाझम बारिश से पूरा दुर्ग जिला पानी से तरबतर हो गया है और कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

दुर्ग जिले में हुई भारी बारिश के साथ ही विभिन्न जलाशयों से छोड़े गए पानी के कारण शिवनाथ नदी पूरे उफान पर है। नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में पानी घुसने की खबर है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित गांवों के कई परिवारों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

शनिवार की ताजा स्थिति के अनुसार दुर्ग-राजनांदगांव मार्ग पर स्थित शिवनाथ नदी के पुराने पुल से करीब दो फीट ऊपर पानी बह रहा है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से शिवनाथ नदी तट पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन पर रोक लगा दी है। नदी के आसपास जवानों की तैनाती कर लोगों को नदी के नजदीक जाने से रोका जा रहा है। शिवनाथ नदी पर बना महमरा एनीकट भी पूरी तरह नदी के उफान की चपेट में है। एनीकट के ऊपर करीब 10 से 12 फीट पानी बह रहा है। इसके चलते नदी का पानी आसपास के क्षेत्रों में फैल गया है और लोगों की परेशानी बढ़ गई है। महमरा एनीकट की ओर से बढ़ा पानी पंचवटी मांगलिक परिसर तक पहुंच गया है।

आंगन मिलन समारोह में गुंजा सुपोषण का संदेश गर्भवती माताओं को दी स्वास्थ्य की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जनपद पंचायत पाटन के ग्राम दरबार मोखली एवं ग्राम पंचायत भरर में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आंगन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवती माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और देखभाल के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। जिले के विभिन्न परियोजनाओं में आंगन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। दुर्ग शहरी/ग्रामीण, अहिवारा, धमधा, भिलाई-01/02, जामगांव-एम एवं पाटन परियोजनाओं के अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में श्रीमती रमशीला बाई उपस्थित रहीं। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं के लिए गोदभराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही महिलाओं को सम्मानित कर मातृत्व के दौरान स्वास्थ्य एवं पोषण का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और ग्रामीणों को बताया गया कि गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यक सावधानियों का पालन करना मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। गर्भावस्था से लेकर बच्चे के जन्म और उसके बाद शुरुआती वर्षों तक उचित पोषण एवं देखभाल से बच्चों को कुपोषण से बचाने में मदद मिलती है। इस अवसर पर जनपद सदस्य भास्कर वर्मा द्वारा न्योता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वस्थ एवं सुपोषित बच्चों को सम्मानित कर उनके अभिभावकों को भी बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

आंगन मिलन समारोह में महिला मुक्ति मोर्चा की महामंत्री श्रीमती नंदिनी साहू, ग्राम पंचायत भरर की सरपंच श्रीमती कौशल्या साहू, पंच श्रीमती मालती धीवर, मनीष चंद्राकर, संतोषी धनकर सहित महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राही तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी में गर्भवती माताओं की गोदभराई, शिशुओं का अन्नप्राशन

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का महापौर अलका बाघमार ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सिकोला भाटा स्थित आंगन बाड़ी भवन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से देशसेवा के 25 साल के अवसर पर चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित हुआ। कार्यक्रम में दुर्ग महापौर अलका बाघमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान गर्भवती माताओं की पारंपरिक रूप से गोदभराई कर उन्हें पौष्टिक आहार एवं आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। वहीं नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार कराते हुए उन्हें मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई गई।

कार्यक्रम में क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं दीदियों का महापौर अलका बाघमार ने पार्षद ललिता ठाकुर, पूर्व महापौर एवं भाजपा नेत्री चंद्रिका चन्द्राकर, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, रत्नेश चन्द्राकर, महिला बाल विकास अधिकारी अनिता सिंह की मौजूदगी में सम्मान किया गया। महापौर अलका बाघमार ने महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।उन्होंने कहा कि आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम हमारी संस्कृति, मातृशक्ति के सम्मान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प का संगम है।

उन्होंने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा कार्य को नारी शक्ति के सम्मान से जोड़ते हुए कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ पात्र माता-बहनों और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से भी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का महापौर और कमिश्नर ने किया निरीक्षण

पटेल चौक से हिंदी भवन तक जलनिकासी व्यवस्था का लिया जायजा, दीपावली के आसपास सुधार कार्य शुरू करने की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लगातार हो रही बारिश के बीच शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए महापौर अलका बाघमार एवं नगर निगम कमिश्नर लीना कोसम ने शनिवार को पटेल चौक से पोस्ट ऑफिस के सामने होते हुए हिंदी भवन तक जलभराव प्रभावित क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने जलभराव के कारणों का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जलनिकासी व्यवस्था की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान पटेल चौक से पंचायत कार्यालय एवं हिंदी भवन तक बारिश के दौरान सड़क पर पानी जमा होने की स्थिति का अवलोकन किया गया। महापौर अलका बाघमार ने बताया कि तेज बारिश के दौरान नालियों के भीतर मौजूद पाइपलाइन तथा सीमित जलनिकासी क्षमता के कारण पानी का बहाव प्रभावित होता है। इसके चलते सड़क पर जलभराव की स्थिति निर्मित होती है।

उन्होंने बताया कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है तथा जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। निगम की योजना के अनुसार दीपावली के आसपास जलनिकासी सुधार संबंधी कार्य प्रारंभ करने की तैयारी है। जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली को तीन हिस्सों में विभाजित कर वार्ड क्रमांक 37, 38 एवं 39 के विभिन्न क्षेत्रों की ओर पानी निकासी की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे बारिश के दौरान पानी का बहाव सुचारू होने तथा सड़क पर जलभराव की समस्या में कमी आने की उम्मीद है।

तालाब में पानी के प्रवाह को डायवर्ट करने पर जोर

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं कमिश्नर ने डेटा सेंटर के पास वार्ड क्रमांक 39 स्थित तालाब का भी निरीक्षण किया। आसपास के क्षेत्रों से तालाब में पानी पहुंचने की स्थिति को देखते हुए जलप्रवाह को व्यवस्थित करने के लिए नई नाली निर्माण की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

महापौर अलका बाघमार एवं कमिश्नर लीना कोसम ने संबंधित अधिकारियों को स्थल का तकनीकी परीक्षण कर नई नाली निर्माण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों से कहा गया कि जलनिकासी से जुड़े कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि बारिश के दौरान पानी का सुचारू निकास सुनिश्चित हो सके और भविष्य में संबंधित क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को कम किया जा सके। उन्होंने बारिश के दौरान नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, उप अभियंता सुरेश केवलानी, उप अभियंता विकास दमाहे, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित नगर निगम का अमला मौजूद रहा।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

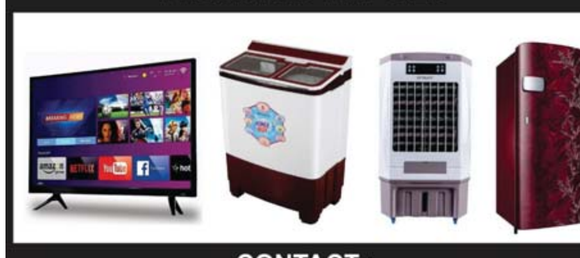

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

सेवा संकल्प

पति के निधन के बाद बिहान बनी परिवार का सहारा

रायपुर। जीवन में आई कठिन परिस्थितियों के सामने हार मानने के बजाय सरगुजा जिले की उर्मिला गुप्ता ने मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाली। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' और आकांक्षा स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने टमाटर, खीरा और अन्य सब्जियों की खेती को आजीविका का आधार बनाया। वर्ष 2024 में पति के निधन के बाद खेती ही उनके परिवार का मजबूत सहारा बनी। आज उर्मिला अपनी मेहनत की कमाई से दोनों बच्चों की पढ़ाई और परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं तथा लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

एक डबरी ने बदली किस्मत, खेती-मछली पालन हुआ संभव

सरगुजा। खेत के पास बनी एक छोटी सी डबरी ने सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड की ग्राम पंचायत बिरिमकेला निवासी मान सिंह के लिए आजीविका के कई रास्ते खोल दिए हैं। ग्रामीण रोजगार योजना के तहत निर्मित डबरी में संचित पानी से अब वे अलग-अलग फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। इसी डबरी में मछली पालन शुरू कर उन्होंने अतिरिक्त आय का साधन भी तैयार किया है। पानी की उपलब्धता से खेती का दायरा बढ़ा है और खीरे की फसल की बिक्री से ही उन्हें करीब 30 हजार रुपये मिले हैं। अगली फसल के रूप में मटर और गोभी लगाने की तैयारी कर रहे हैं। मान सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना बनी विवेक की उम्मीद

मोहला-मानपुर-अम्बागढ़। जिले के मानपुर विकासखंड के छोटे से गांव कुम्हारी में रहने वाली निर्माण श्रमिक श्रीमती केशर कोमा ईंट-पत्थरों के बीच दिनभर मेहनत कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। केशर का सपना था कि बेटा विवेक पढ़-लिखकर अपने जीवन में आगे बढ़े और सम्मानजनक भविष्य बनाए। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की पढ़ाई को कभी रुकने नहीं दिया। ऐसे समय में शासन की मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना उनके परिवार के लिए उम्मीद की एक नई किरण बनकर सामने आई। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से श्रमिक परिवारों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ पहुंचाने के प्रयासों के तहत विवेक को इस योजना का लाभ मिला। छात्रवृत्ति की सहायता से उसकी पढ़ाई को आर्थिक संबल मिला और शिक्षा के सपनों को आगे बढ़ाने का रास्ता और आसान हुआ।

चिरायु योजना से लौटी बस्तर की मासूम परिक्रमा की दुनिया में आवाज, निःसंकोच जाने लगी स्कूल

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर जिले के एक साधारण परिवार की नन्ही बेटी परिक्रमा साहू के जीवन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की 'चिरायु' टीम और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के साझा प्रयासों से एक नई सवेरा आया है। जन्म से ही सुनने और बोलने की क्षमता से वंचित परिक्रमा अब न केवल हर ध्वनि को सुन और पहचान पा रही है, बल्कि एक सामान्य बच्चे की तरह खुशहाल जीवन जीते हुए स्कूल भी जाने लगी है।

जब परिक्रमा मात्र तीन वर्ष की थी, तब चिरायु टीम नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के सिलसिले में स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र पहुँची थी। वहाँ टीम के सदस्यों ने देखा कि एक मासूम बच्ची एक कोने में बिल्कुल शांत और अपने आप में खोई बैठी है। बातचीत करने की कोशिश पर जब बच्ची की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से इस संबंध में पूछताछ की गई। कार्यकर्ता ने जानकारी दी कि यह बच्ची जन्म से ही न तो कुछ सुन पाती है और न ही बोल पाती है।

बच्ची के माता-पिता ने बातचीत के दौरान अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि बच्ची जन्मजात बधिरता से ग्रसित है। वे दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने का प्रयास कर रहे थे। परिजनों की सहमति के बाद बच्ची को महारानी जिला अस्पताल के जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई लाया गया। 'बेरा' जांच के पश्चात उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर रेफर किया गया। उसे कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी की सलाह दी गई। सर्जरी से पूर्व लगभग एक वर्ष तक अनिवार्य ऑडियो थेरेपी आवश्यक थी, जिसे जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई जगदलपुर के माध्यम से पूरी निष्ठा के साथ संपन्न कराया गया।

1 अप्रैल 2024 को एम्स में बच्ची का सफल कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी की गई। वर्तमान में 5 वर्ष की हो चुकी परिक्रमा को जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई के माध्यम से नियमित स्पीच थेरेपी दी जा रही है। अब वह पूरी तरह सामान्य जीवन जी रही है और बिना किसी संकोच के स्कूल जाना भी शुरू कर दिया है, जिससे उसके माता-पिता और अन्य परिजनों में खुशी का माहौल है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अंबिकापुर के आस्था निकुंज वृद्धाश्रम में पहुंचे पर्यटन मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा, संवेदना और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाते हुए अजीरमा, अंबिकापुर स्थित आस्था निकुंज वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों के सम्मान एवं सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज कल्याण विभाग से अनुदान सहायता प्राप्त स्वसहायता समूह रॉबर्ट कानन बाला स्मृति सेवा संस्थान द्वारा वर्ष 1993 से संचालित इस वृद्धाश्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल तथा नगरपालिक निगम महापौर मंजूषा भगत ने 25 वरिष्ठजनों को वस्त्र एवं फल वितरित किए।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठजनों से आत्मीयता के साथ संवाद किया और उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। उन्होंने अपने हाथों से वरिष्ठजनों को वस्त्र एवं फल प्रदान किए तथा उनके साथ समय बिताकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे मार्गदर्शक और पथप्रदर्शक हैं। उनके जीवन का अनुभव, संघर्ष और जीवन मूल्य समाज तथा नई पीढ़ी के लिए अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान, उनकी सेवा और उनके साथ आत्मीयता से समय बिताना केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी भी है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा और संवेदना की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना तथा जनभागीदारी के माध्यम से जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में सेवा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसमें अपनत्व और संवेदना जुड़ी हो। समाज के वरिष्ठजनों के साथ समय बिताना, उनकी आवश्यकताओं को समझना और उन्हें सम्मान देना भी सेवा का महत्वपूर्ण स्वरूप है। ऐसे कार्यक्रम समाज में पारस्परिक सहयोग, सम्मान और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठजनों के लिए वस्त्र दान किया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठजनों को अपने हाथों से वस्त्र प्रदान करते हुए मन भावुक हो गया। उनके साथ कुछ पल बिताना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना आत्मीय अनुभव रहा।

वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें फल भी वितरित किए गए। इस दौरान वृद्धाश्रम में मौजूद वरिष्ठजनों के चेहरों पर दिखाई दी मुस्कान और उनके स्नेह ने पूरे वातावरण को भावनात्मक एवं आत्मीय बना दिया।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए। छोटे-छोटे सेवा कार्य भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकते हैं। उन्होंने युवाओं और सामाजिक संगठनों से भी वरिष्ठजनों, जरूरतमंदों और समाज के वंचित वर्गों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में सेवा, सहयोग और संवेदना की भावना को निरंतर मजबूत करने का संकल्प है। सामूहिक प्रयासों से ही ऐसे अभियान व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप ले सकते हैं।

अजीरमा स्थित आस्था निकुंज वृद्धाश्रम का संचालन रॉबर्ट कानन बाला स्मृति सेवा संस्थान द्वारा वर्ष 1993 से किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग से अनुदान सहायता प्राप्त इस संस्था के माध्यम से वरिष्ठजनों को आश्रय एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम ने वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान, अपनत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और मजबूत किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव, उपसंचालक समाज कल्याण, आश्रम के प्रबंधक सहित जिले के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बाढ़ राहत

प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद करेगी सरकार : टंकराम

श्रीकंचनपथ समाचार

नवापारा। अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नवापारा, सोमवारी बाजार, नेहरू घाट, पारागांव, कुटीपारा, टीला सहित नदी के तट पर बसे अनेक गाँव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बीते 25 वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में ऐसा भीषण जलभराव और तबाही का मंजर कभी देखने को नहीं मिला। नवापारा क्षेत्र में बाढ़ का पानी 8 फीट तक बढ़ जाने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

अब तक लगभग 2,000 प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों और प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत केंद्रों में स्थानांतरित किया जा चुका है जहाँ उनके भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

आपदा मंत्री श्री वर्मा ने स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत दौरा किया। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुँचकर उनका कुशलक्षेम पूछा और राहत शिविरों में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मंत्री श्री वर्मा ने उन्हें आश्वस्त किया कि साय सरकार इस विपदा की घड़ी में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

तात्कालिक सहायता के रूप में प्रभावितों को 5-5 हजार रुपये के अनुदान चेक वितरित किए गए। जिन परिवारों के मकान इस भीषण बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, उन्हें पुनः निर्माण कराने का स्पष्ट आश्वासन देते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सरकार हर प्रभावित परिवार को हरसंभव मदद प्रदान करेगी।

श्री वर्मा ने कहा कि नुकसान का आंकलन पूरा होते ही सभी प्रभावितों को प्राथमिकता के आधार पर मुआवजा राशि का भुगतान किया जाएगा, ताकि लोग जल्द से जल्द अपने जीवन को पुनः सामान्य कर सकें।

रणजी ट्रॉफी के पहले चार मैचों के लिए छत्तीसगढ़ टीम घोषित, शेड्यूल भी जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 के पहले चार मैचों के लिए छत्तीसगढ़ की पुरुष सीनियर क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। संघ द्वारा 26 सितंबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति में चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी की गई। छत्तीसगढ़ की टीम रणजी ट्रॉफी में 11 अक्टूबर 2026 से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम की कप्तानी अनुज तिवारी को सौंपी गई है, जबकि मयंक वर्मा और राहुल प्रधान विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल हैं। टीम में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों के साथ पेशेवर खिलाड़ियों को भी स्थान दिया गया है।

छत्तीसगढ़ की टीम: अजय मंडल — राजनांदगांव, अमनदीप खरे — बीएसपी, अनुज तिवारी (कप्तान) — रायपुर, आशुतोष सिंह — सरगुजा, आयुष पांडे — रायपुर, देव आदित्य सिंह — बीएसपी, धर्मेंद्रसिंह जडेजा — पेशेवर, जयंत यादव — पेशेवर, मयंक वर्मा (विकेटकीपर) — भिलाई, मोहम्मद सोहेल — रायपुर, प्रतीक यादव — रायपुर, राहुल प्रधान (विकेटकीपर) — सरगुजा, रुद्र प्रताप देहरी — बस्तर, संदीप एस. वारियर — पेशेवर, सनिध्य हुरकट — रायपुर, संजीत देसाई — भिलाई, सौरभ मजूमदार — बस्तर, वासुदेव बरेठ — बिलासपुर विकल्प तिवारी — राजनांदगांव

पहले चार मुकाबले

रणजी ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ को ग्रुप-बी में रखा गया है। टीम अपना पहला मुकाबला 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2026 तक राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद छत्तीसगढ़ का सामना 18 से 21 अक्टूबर तक चंडीगढ़ में पंजाब से होगा। तीसरा मुकाबला 26 से 29 अक्टूबर तक रायपुर में आंध्र के खिलाफ और चौथा मुकाबला 2 से 5 नवंबर तक रायपुर में हैदराबाद के खिलाफ खेला जाएगा।

छत्तीसगढ़ के आगामी मुकाबले

11-14 अक्टूबर: सौराष्ट्र बनाम छत्तीसगढ़ — राजकोट
18-21 अक्टूबर: पंजाब बनाम छत्तीसगढ़ — चंडीगढ़
26-29 अक्टूबर: छत्तीसगढ़ बनाम आंध्र — रायपुर
2-5 नवंबर: छत्तीसगढ़ बनाम हैदराबाद — रायपुर
17-20 जनवरी 2027: कर्नाटक बनाम छत्तीसगढ़ — बेलगावी
24-27 जनवरी 2027: असम बनाम छत्तीसगढ़ — फुलुंग
1-4 फरवरी 2027: छत्तीसगढ़ बनाम त्रिपुरा — रायपुर

छत्तीसगढ़ टीम के लिए शुरुआती चार मुकाबले महत्वपूर्ण होंगे, जिसमें टीम दो मुकाबले घरेलू मैदान रायपुर में खेलेगी। संघ की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार इसके बाद टीम ग्रुप चरण के तीन और मुकाबले खेलेगी।

दो गायों से शुरू की डेयरी, आज पांच गायों से मजबूत हुई मिनेश की गृहस्थी

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कभी रोजगार की तलाश और आर्थिक तंगी से जूझ रहे 28 वर्षीय मिनेश राठिया के लिए आज उनकी डेयरी ही आत्मनिर्भरता का आधार बन गई है। करतला विकासखंड के ग्राम करतला निवासी मिनेश राठिया ने शासन की राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना का लाभ लेकर न केवल अपने लिए स्वरोजगार का रास्ता बनाया, बल्कि अपनी छोटी सी डेयरी को भी आगे बढ़ाया है। दो उन्नत नस्ल की गायों से शुरू हुआ उनका सफर अब पांच दुधारू गायों तक पहुंच चुका है।

योजना का लाभ मिलने से पहले मिनेश बेरोजगार थे। परिवार में पहले से देशी नस्ल की गायें थीं, लेकिन उनसे होने वाला दुग्ध उत्पादन इतना कम था कि परिवार की दैनिक जरूरतें ही मुश्किल से पूरी हो पाती थीं। बिक्री के लिए दूध बचता ही नहीं था। उन्नत नस्ल की दुधारू गायें खरीदकर डेयरी व्यवसाय शुरू करने की इच्छा थी, लेकिन आर्थिक स्थिति इसकी अनुमति नहीं देती थी। ऐसे समय में पशु चिकित्सालय करतला के डॉ. विरेन्द्रपाल सिंह कंवर से उन्हें राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना की जानकारी मिली। योजना ने मिनेश के सपनों को नई दिशा दी और उन्होंने पशु चिकित्सालय में आवेदन प्रस्तुत किया।

वर्ष 2024-25 में योजना के अंतर्गत मिनेश को दो दुधारू गायों की खरीद के लिए 93 हजार 300 रुपये की सहायता मिली। इन उन्नत नस्ल की गायों के डेयरी में शामिल होते ही उनके जीवन में बदलाव की शुरुआत हो गई। दूध का उत्पादन बढ़ा तो घर की जरूरतें पूरी करने के बाद दूध बिक्री से आमदनी भी होने लगी। मिनेश ने इस आय को खर्च करने के बजाय अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में लगाया। उनकी मेहनत और लगन का परिणाम यह रहा कि उन्होंने धीरे-धीरे तीन और उन्नत नस्ल की दुधारू गायें खरीद लीं। आज मिनेश के पास कुल पांच उन्नत नस्ल की दुधारू गायें हैं और डेयरी उनके परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है।

मिनेश के पास कभी केवल साइकिल थी। आमदनी बढ़ी तो उन्होंने मोटरसाइकिल खरीदी। अब वे आसानी से दूध लेकर दूरस्थ बाजारों और ग्राहकों तक भी पहुंच जाते हैं।

वर्षों की समस्या का हुआ निदान : पंडोपारा पहुंचा नल कनेक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। कहा जाता है-जल है तो कल है। पानी और जिंदगी एक-दूसरे के पूरक हैं। इसी सोच को साकार करते हुए जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर नल से जल पहुंचाकर लोगों के जीवन में बदलाव ला रहा है। कोरिया जिले के ग्राम चोपन के पंडोपारा बस्ती में भी इस योजना ने वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान करते हुए ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाया है।

पहाड़ों की तलहटी में बसी यह बस्ती ग्राम पंचायत बरपारा का आश्रित ग्राम है और जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां के ग्रामीण लंबे समय से पेयजल की समस्या से जूझ रहे थे। पानी के लिए उन्हें दूर तक जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों खर्च होते थे।

जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद ग्राम चोपन में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया। इसके परिणाम स्वरूप अब ग्रामीणों के घरों तक नल के माध्यम से पानी पहुंच रहा है। स्वच्छ एवं सहज रूप से उपलब्ध पेयजल ने ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव लाया है।

हितग्राही श्रीमती संगीता बताती हैं, पहले पानी भरने के लिए दूर जाना पड़ता था। इसमें समय और मेहनत दोनों लगते थे। अब घर पर ही साफ पानी आसानी से मिल रहा है। इससे समय की बचत हो रही है और परिवार के दूसरे जरूरी कामों के लिए भी समय मिल जाता है। गांव में शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलने से जीवन काफी आसान हो गया है।

जल जीवन मिशन का प्रभाव केवल घरों तक पानी पहुंचाने तक सीमित नहीं है। ग्रामीणों को जल संरक्षण, पानी की गुणवत्ता, स्वच्छता और नल कनेक्शन के रख-रखाव के संबंध में भी जागरूक किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में अपनी जल व्यवस्था को सुरक्षित रखने और उसके बेहतर उपयोग की जिम्मेदारी की भावना विकसित हुई है।

ग्राम चोपन के पंडो पारा में घर-घर नल से जल पहुंचना ग्रामीणों के लिए महज एक सुविधा नहीं, बल्कि सम्मान, सुविधा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। पंचायत, विभाग और ग्रामीणों के समन्वित प्रयासों से जल जीवन मिशन ने बस्ती की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है।

यह बदलाव बताता है कि जब योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी साथ आती है, तो विकास की योजनाएं कागजों से निकलकर लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाती हैं। जल जीवन मिशन ग्रामीण विकास की स्थायी और मजबूत नींव तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

संकट की घड़ी में रमला का सहारा बनी राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना

रायपुर। कसही गांव की श्रीमती रमला बाई पटेल के जीवन में राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना ने मुश्किल वक्त में ऐसा ही सहारा दिया। 3 सितंबर 2025 को रमला बाई के पति हुबलाल पटेल का निधन हो गया। पति को खोने का दुख तो था ही, परिवार के कमाने वाले सदस्य के चले जाने से उनके सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया। इस कठिन समय में ग्राम पंचायत कसही ने आगे बढ़कर रमला बाई की मदद की। सरपंच श्रीमती योगेश्वरी गायकवाड़ और ग्राम पंचायत सचिव स्वयं उनके घर पहुंचे। ग्राम पंचायत की पहल से रमला बाई को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का लाभ मिली। 20 हजार रुपए की आर्थिक उनके बैंक खाते में आ गई। इसके लिए उन्हें कहीं भी भटकने की जरूरत नहीं पड़ी।

हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव?

मिर्जापुर एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

मिर्जापुर फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं। हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।

हर्षिता ने बताया, मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते।

हमेशा कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।

हर्षिता ने कहा, एक दौर वह भी था जब न तो सोशल मीडिया का ऐसा दौर था और न ही लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर इतने सचेत थे, लेकिन उस समय भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कम नहीं था।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई शो हैं जिनमें जाने-माने एक्टर मेकअप भी नहीं करते, क्योंकि किरदार की यही मांग होती है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर का उदाहरण देते हुए हर्षिता ने कहा, करीना कपूर ने एक फिल्म की थी जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। मुझे लगता है कि जब किरदार की मांग होती है, तो लोग खुद को वैसा ही दिखाने में ज्यादा सहज हो गए हैं जैसे वे असल में हैं।

अंजलि आनंदः छोड़ने वाली थीं अभिनय, कास्टिंग डायरेक्टर ने दी वजन कम करने की सलाह

फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान अक्सर जानी-मानी हस्तियों के घर जाती हैं और वहां से व्लॉग बनाकर उन्हें यूट्यूब पर शेयर करती हैं। अब हाल ही में फराह अभिनेत्री अंजलि आनंद के मुंबई स्थित घर पहुंचीं। इस दौरान अंजलि ने फराह को अपने घर की झलक दिखाई। साथ ही बातों ही बातों में यह भी बताया कि कैसे उन्हें अपनी डेब्यू फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' मिली।

क्यों अभिनय छोड़ना चाहती थीं अंजलि

फराह से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, '2020 मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर था। मैं सोच रही थी कि मैं इंडिया से बाहर चली जाउंगी। अब मुझे एक्टिंग नहीं करनी। कुछ मिल नहीं रहा था, क्योंकि लॉकडाउन हो गया था।

लॉकडाउन में सारे पैसे खत्म हो गए थे, क्योंकि उस समय किराए पर अकेले रहती थी। तो सब खत्म हो गया था, तब छह महीने में जितनी सेविंग्स थी सब खत्म हो गई थी।' अंजलि आनंद ने आगे बताया, 'फिर मेरे दोस्त मुझे गोवा लेकर गए।

वहां मुझे कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा का मैसेज आया। मैं उन्हें हमेशा से जानती हूं और जब भी उनसे मिलती थी, वह कहती थीं कि तुम वजन कम करो, फिर हम कुछ करेंगे। मेरी मां को भी भरोसा नहीं था। उन्होंने कहा, 'बड़ी आई करण जौहर से मिलने, तुमसे क्यों मिलेगा वो।'

अंजलि को कैसे मिली करण की फिल्म

अभिनेत्री ने आगे बताया, 'शानू ने मुझे बताया कि करण ने तुम्हारी फोटो देखी और उन्हें पसंद आई। वो फिल्म के इस पार्ट के लिए एक्टर देख रहे हैं। अगर तुम ऑडिशन पार कर लो, तो वह तुम्हें ले लेंगे।' अंजलि ने बताया कि करण जौहर उनकी तस्वीरों और ऑडिशन से प्रभावित हुए थे।

अंजलि पूर्व अभिनेता दिनेश आनंद की बेटी हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने से पहले उन्हें भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने 2021 की फिल्म 'बेल बॉटम' में भी काम किया था, लेकिन उसमें उनका रोल अनक्रेडिटेड था। इसके बाद अंजलि ने 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। वह हाल ही में 'धमाल 4' में नजर आई थीं।

अंजलि ने टीवी शो में भी किया है काम अंजलि ने 2017 में 'ढाई किलो प्रेम' जैसे टीवी शोज में काम किया था। 2018 में वह 'कुल्फी कुमार बाजेवाला' में नजर आईं। अंजलि 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 13' और 'झलक दिखला जा 11' की कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं।

गोविंदाः यह दर्द है या साजिश?

बिना नाम लिए कोमल रानी ने सुनीता पर लगाए आरोप

गोविंदा का नाम उनकी आगामी फिल्म 'रूपा' की सह-अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार से जोड़ा जा रहा है। अफेयर की अफवाहों पर गोविंदा ने बीते दिनों गुस्सा जाहिर किया था। अब कोमल रानी ने भी चुप्पी तोड़ दी है।

गोविंदा अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। उनका नाम कोमल रानी स्वर्णकार से जोड़ा जा रहा है। गोविंदा की पत्नी सुनीता भी एक्टर पर कथित तौर पर शादी से बाहर अफेयर जैसे आरोप लगा चुकी हैं। बीते दिन गोविंदा और कोमल रानी लाल बाग के राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। इसके बाद इनकी डेटिंग रूमर्स को और हवा मिली। अफेयर की अटकलों के बीच रानी स्वर्णकार ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

क्या कोमल रानी ने सुनीता आहूजा पर साधा निशाना?

कोमल रानी से नाम जोड़े जाने पर बीते दिनों गोविंदा ने एक इंटरव्यू में नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने इसे समाज में अपनी छवि खराब करने की एक साजिश बताया था। अब कोमल रानी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे अप्रत्यक्ष रूप से गोविंदा की पत्नी पर निशाना साधती नजर आई हैं।

कोमल ने लिखा- 'ऐसी औरतों की बद्दुआ किसी को नहीं लगती'

कोमल रानी ने शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया है। इसमें वे लिखती हैं, 'जो औरत वर्षों से अपने ही पति को जान से मारने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बद्दुआ किसी को नहीं लगती। जो घर पहले से ही टूटा हुआ हो, उसे कोई और नहीं तोड़ सकता। हमारे देश के लोग इतने बेवकूफ नहीं हैं कि किसी के कहने पर कि 'कौआ तुम्हारा कान ले गया' वे कौए के पीछे भागने लगेंगे'

पूछा- क्या यह सच में कोई दर्द है?

कोमल ने आगे लिखा है, 'मुझे समझ नहीं आता कि कोई औरत किस तरह के दर्द से गुजर रही है, जहां उस दर्द को ठीक करने की कोशिश करने के बजाय, उसे सबके सामने दिखाने में ही उसे मजा आता है। क्या यह सच में कोई दर्द है या कोई सोची-समझी साजिश? किसी आदमी को लगातार मानसिक रूप से परेशान करना, उसे काम करने से रोकना, घर पर बैठने और बर्बाद होने के लिए मजबूर करना, उसे पूरी तरह अलग-थलग कर देना और मौत के कगार पर पहुंचा देना। मुझे नहीं लगता कि कोई अच्छी और समर्पित पत्नी अपने पति के साथ इतना बुरा बर्ताव कर सकती है।

नसीहत दी- 'मेरा नाम इस्तेमाल करना बंद करो'

कोमल ने अपने पोस्ट में आगे लिखा है, 'क्या ऐसी औरतें मानसिक रूप से बीमार होती हैं? या वे बस जरूरत से ज्यादा चालाक होती हैं और उन्हें अच्छी तरह पता होता है कि जो काम वे बंद दरवाजों के पीछे नहीं कर पाईं, उसे वे सबके सामने आकर और लोगों की सहानुभूति हासिल करके कर सकती हैं? अपने एजेंडे के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल करना बंद करो। भगवान हर भले आदमी को ऐसी चालाक औरतों से बचाए'।

कोमल ने अपने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया है। मगर, गोविंदा और अपने अफेयर की अटकलों के बीच उन्होंने जो क्रिप्टिक पोस्ट किया है, उसे एक्टर की पत्नी सुनीता आहूजा से जोड़कर देखा जा रहा है।

अमेरिका की सैर पर निकलीं तृप्ति डिमरी प्रकृति की गोद में दिए पोज

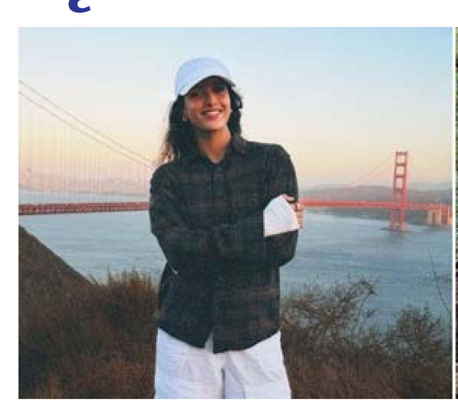

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह यहां अपनी जिंदगी से जुड़े कई अच्छे पल साझा करती हैं। हाल ही में वह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को की सैर पर निकली हैं। यहां से उन्होंने कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।

तृप्ति की पोस्ट में क्या है?

तृप्ति डिमरी ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह प्राकृतिक वातावरण में हैं। उन्होंने जंगल में पेड़ के पास और समुद्र किनारे शानदार पोज दिए हैं। उनकी पोस्ट में प्राकृतिक वातावरण के प्रति उनका प्यार नजर आता है।

यूजर्स को पसंद आई तृप्ति की पोस्ट

अभिनेत्री की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है। वहीं कई यूजर्स इस पोस्ट पर कमेंट भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'भारत की सबसे बड़ी अभिनेत्री'। एक दूसरे यूजर ने लिखा 'बहुत अच्छी पोस्ट है। दिल करता है देखता ही रहूं।' एक और यूजर ने लिखा 'आपकी कैप वाली तस्वीर सबसे अच्छी है।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा है 'SFO'। कई यूजर्स ने उन्हें सलाह दी है कि वह इसे 'SF' कर लें। इसकी वजह यह है कि SFO एयरपोर्ट का नाम है। जबकि स्न्न का मतलब सैन फ्रांसिसको है।

तृप्ति डिमरी का वर्कफ्रंट

तृप्ति डिमरी के काम की बात करें तो वह जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' में नजर आने वाली हैं। यह रोल पहले अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को मिला था बताया जाता है कि अभिनेत्री ने 8 घंटे शिफ्ट में काम करने की मांग की थी। इस पर निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ उनकी अनबन हो गई और वह फिल्म से हट गईं।

परफ्यूम लगाते समय इन बातों का रखें खास ध्यान, मिलेगा अच्छा परिणाम

परफ्यूम लगाना एक कला है, जो आपके व्यक्तित्व को और भी खास बना सकती है। सही तरीके से परफ्यूम लगाने से आप पूरे दिन ताजगी महसूस कर सकते हैं और दूसरों पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकते हैं। इस लेख में हम आपको परफ्यूम लगाने के कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने दिन की शुरुआत ताजगी के साथ कर सकते हैं और पूरे दिन खुशबू भी बनी रहेगी।

त्वचा की सफाई करें

परफ्यूम लगाने से पहले अपनी त्वचा को अच्छे से साफ करें। साबुन और पानी से नहाने के बाद ही परफ्यूम लगाना चाहिए, ताकि आपकी त्वचा पर कोई गंदगी या तेल न हो।

इससे परफ्यूम की खुशबू बेहतर तरीके से चिपकती है और लंबे समय तक रहती है। अगर आप शॉवर जेल का इस्तेमाल करते हैं तो उसे सूखने दें और फिर परफ्यूम लगाएं।

यह तरीका आपकी त्वचा को ताजगी भरा महसूस कराएगा और खुशबू लंबे समय तक बनी रहेगी।

सही जगह चुनें

परफ्यूम लगाने के लिए सही जगह चुनना बहुत जरूरी है। आमतौर पर गर्दन, कलाई, कान के पीछे और घुटनों के पीछे परफ्यूम लगाना अच्छा रहता है। इन जगहों पर खून का बहाव ज्यादा होता है, जिससे खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। इन्हीं जगहों पर परफ्यूम लगाने से आप पूरे दिन ताजगी महसूस कर सकते हैं और दूसरों पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकते हैं। सही जगह पर परफ्यूम लगाने से आपकी खुशबू पूरे दिन बनी रहती है।

सही मात्रा में उपयोग करें

परफ्यूम लगाते समय सही मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। ज्यादा परफ्यूम लगाने से उल्टा असर हो सकता है और आपको असहज महसूस हो सकता है। सामान्यतः 2-3 स्प्रे पर्याप्त होते हैं। इसे अपनी कलाई, गर्दन और कान के पीछे हल्के से लगाएं और जरूरत पड़ने पर दिनभर में एक बार फिर से स्प्रे करें। इससे आप ताजगी भरा महसूस करेंगे और खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी। सही मात्रा में परफ्यूम लगाना आपकी त्वचा को आरामदायक बनाएगा।

परफ्यूम को त्वचा पर न रगड़ें

परफ्यूम को त्वचा पर रगड़ना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे इसकी खुशबू कम हो जाती है और त्वचा पर जलन भी हो सकती है। परफ्यूम को हमेशा हल्के हाथों से स्प्रे करें या डॉट करें, ताकि यह सही तरीके से त्वचा में समा जाए। इससे परफ्यूम की खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है और आपको असहज महसूस नहीं होता। सही तरीके से परफ्यूम लगाने से आप ताजगी भरा महसूस करेंगे और खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी।

कपड़ों पर न लगाएं

कपड़ों पर परफ्यूम लगाने से धब्बे हो सकते हैं या कपड़े खराब हो सकते हैं, इसलिए इसे सीधे त्वचा पर लगाना चाहिए। अगर आप कपड़ों पर परफ्यूम लगाना चाहते हैं तो पहले इसे किसी हल्के कपड़े पर टेस्ट करें, ताकि कोई नुकसान न हो। इस तरह आप आसानी से दिनचर्या में परफ्यूम लगाकर ताजगी भरा महसूस कर सकते हैं और खुशबू पूरे दिन बनी रहेगी। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी खुशबू को लंबे समय तक बना सकते हैं।

थलापति विजय के बेटे जेसन संजय की फिल्म सिग्मा का ट्रेलर रिलीज

जेसन विजय की पहली निर्देशित फिल्म 'सिग्मा' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के बेटे जेसन विजय इस फिल्म के जरिए निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म में अभिनेता संदीप किशन मुख्य भूमिका में हैं और इसे 2 अक्टूबर 2026 को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा।

फिल्म के गीतों और टीजर को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद अब निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर में संदीप किशन और फियारा अब्दुल्ला प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। कहानी में पैसे की चोरी की घटनाओं को केंद्र में रखा गया है, जिसके इर्द-गिर्द रोमांच और घटनाक्रम आगे बढ़ता दिखाई देता है।

ट्रेलर में संदीप किशन ने अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए हैं। उनके हाव-भाव और भावनात्मक दृश्यों में विविधता नजर आती है। वहीं, फियारा अब्दुल्ला ने रेडियो प्रस्तोता 'आरजे सारा' की भूमिका में अपनी सहज मौजूदगी से ध्यान आकर्षित किया है। दोनों कलाकारों की जोड़ी और उनके बीच दिखाई गई घटनाएं फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता पैदा करती हैं।

फिल्म के पृष्ठभूमि संगीत और छायांकन को भी ट्रेलर में खास महत्व दिया गया है। संगीत निर्देशन की जिम्मेदारी थमन ने संभाली है, जबकि कृष्णन वसंत ने फिल्म का छायांकन किया है। संपादन प्रवीण के.एल. ने किया है। ट्रेलर में दृश्य संयोजन और पृष्ठभूमि संगीत कहानी के रोमांच को बढ़ाते नजर आते हैं। निर्माताओं ने फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने की तैयारी की है। 'सिग्मा' 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

खास-खबर

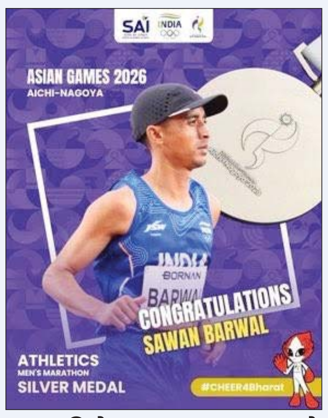

पदक विजेता सावन बरवाल को वित्तमंत्री चौधरी ने दी बधाई

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की पुरुष मैराथन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का 44 वर्षों का इंतजार समाप्त करने वाले सावन बरवाल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि सावन बरवाल की यह उपलब्धि भारतीय खेल इतिहास में गौरवपूर्ण अध्याय है। उन्होंने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड का शानदार समय निकालते हुए न केवल एशियन गेम्स में भारत को मैराथन का रजत पदक दिलाया, बल्कि नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देश का मान भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि 44 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एशियन गेम्स की मैराथन स्पर्धा में भारत के लिए पदक जीतना सावन बरवाल की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और असाधारण धैर्य का परिणाम है।

विश्व रेबीज दिवस पर कल पशु चिकित्सालय में विशेष संगोष्ठी

महासमुंद। विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर पशुधन की सुरक्षा एवं पशुपालकों में रेबीज के प्रति जागरूकता बढ़ाने 28 सितंबर 2026 को प्रात: 8:00 बजे से 10:00 बजे तक जिला पशु चिकित्सालय परिसर, महासमुंद में रेबीज से बचाव ही सुरक्षा पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अंजना नायडू ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों के पशुओं का रेबीज से बचाव हेतु नि:शुल्क टीकाकरण किया जाएगा। साथ ही पशु चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा पशुओं को रेबीज से सुरक्षित रखने के उपाय, समय पर टीकाकरण के महत्व तथा रेबीज की रोकथाम एवं बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी।

कलेक्टर ने छात्रावास की बालिकाओं से किया संवाद

एमसीबी। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास बहरासी का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में निवासरत बालिकाओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं डिप्टी कलेक्टर नेहा खलखो उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बालिकाओं से सहज संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई में रुचि, पसंदीदा विषय और भविष्य में वे क्या बनना चाहती हैं, इसकी जानकारी ली।

बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त, मुख्यमंत्री साय ने दिए तत्परता के निर्देश

बस्तर में राहत-बचाव कार्य में तेजी, स्वास्थ्य सेवाएं अलर्ट

- एनएच-30 पर बाढ़ में फंसे ट्रक चालकों का सुरक्षित रेस्क्यू
- राहत शिविरों में स्वास्थ्य जांच और दवाइयों का वितरण
- पानी उतरते ही गांवों में लगेंगे विशेष स्वास्थ्य शिविर
- जलजनित बीमारियों की रोकथाम पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर संभाग में भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ राहत शिविरों में भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पानी उतरने के बाद संभावित जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रखने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को लगातार निगरानी रखने के लिए कहा गया है।

इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर सोनारपाल के पास बाढ़ के बीच फंसे करीब आधा दर्जन ट्रक चालकों और परिचालकों को राहत एवं बचाव दल ने सुरक्षित बाहर निकाला। जगदलपुर-रायपुर मार्ग पर कई फीट पानी भर जाने से लगभग पांच ट्रक फंस गए थे। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण चालकों और परिचालकों ने ट्रकों की छत पर शरण ली और वीडियो के माध्यम से प्रशासन से मदद की अपील की।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और बचाव दल ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अभियान शुरू किया। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद लाइफ जैकेट एवं अन्य बचाव उपकरणों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के बाद उन्हें गणेश मंदिर पहुंचाया गया, जहां सूखे कपड़े, गर्म भोजन, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था की गई।

इधर, जगदलपुर और नगरनार के राहत शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें सेवाएं दे रही हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मैत्री के नेतृत्व में शहरी स्वास्थ्य विभाग की टीम और मितानिनों ने भगत सिंह वार्ड, भैरमगंज, पंचपथ और प्रवीरचंद्र वार्ड सहित विभिन्न शिविरों में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयां भी दी गईं।

नगरनार क्षेत्र में नदी बोड़ना गांव के बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित निकालकर शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए राहत शिविर में रखा गया है। यहां स्वास्थ्य परीक्षण, दवाइयों, स्वच्छ पेयजल, ओआरएस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद बीमारियों के संभावित खतरे को देखते हुए गांवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रीना लक्ष्मी को मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से प्रभावित गांवों में सघन स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

इन शिविरों में उल्टी-दस्त, डायरिया, पीलिया, टायफाइड, त्वचा संबंधी फंगल एवं बैक्टीरियल संक्रमण सहित अन्य जलजनित बीमारियों की जांच और उपचार किया जाएगा। सर्पदंश एवं पशुदंश की आशंका को देखते हुए एंटी-वेनम और जरूरी जीवनरक्षक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल कॉलेज की संयुक्त टीमें संवेदनशील एवं सुदूर गांवों तक पहुंचकर लोगों की जांच करेंगी तथा नि:शुल्क दवाइयों के साथ क्लोरीन की गोलियां और ओआरएस के पैकेट वितरित करेंगी। गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाएगा। ग्रामीणों को पानी उबालकर पीने, ताजा भोजन करने और घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।

प्रशासन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए निगरानी और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहा है।

उफनते सिरसिदा के बीच फंसा मारुति धाम का पुजारी

धमतरी। जिले में मूसलाधार बारिश से उपजे जलभराव के बीच राज्य आपदा मोचन बल और जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए एक बड़ा हादसा टाल दिया। कुरुद विकासखंड स्थित ग्राम सिरसिदा के प्रसिद्ध मारुति धाम में शुक्रवार शाम से पानी के तेज बहाव के बीच फंसे मंदिर के पुजारी को एसडीआरएफ की टीम ने शनिवार सुबह सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मिली जानकारी के अनुसार, लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मारुति धाम मंदिर परिसर और आसपास के रास्ते पूरी तरह जलमग्न हो गए थे, जिससे आवागमन ठप हो गया था। मंदिर के पुजारी पानी के बढ़ते स्तर के कारण वहीं फंस गए। जैसे ही जिला प्रशासन को इस स्थिति की सूचना मिली, आपदा प्रबंधन टीम को तुरंत अलर्ट मोड पर लाया गया। शनिवार सुबह एसडीआरएफ के जवानों ने प्रतिकूल मौसम और जलभराव की गंभीर स्थिति के बावजूद बेहद सावधानी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पानी के बहाव और सुरक्षित रास्तों का त्वरित आकलन करते हुए जवानों ने सुरक्षित बोट के जरिए पुजारी तक पहुंच बनाई और उन्हें सकुशल रेस्क्यू कर गांव तक पहुंचाया।

जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील

घटना के बाद जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें पूरे जिले में संवेदनशील और प्रभावित क्षेत्रों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन ने राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे बारिश के दौरान उफान पर आए नदी-नालों, रपटों और जलभराव वाले स्थानों पर जाने का जोखिम न उठाएं।

बाढ़ आपदा में राहत का केंद्र बना धमतरी का स्किल डेवलपमेंट सेंटर

प्रदेश भर में जारी मूसलाधार बारिश के बीच धमतरी जिले में आपदा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण सामने आया है। जलभराव और बाढ़ की स्थिति से बेघर हुए 15 प्रभावित परिवारों के 54 सदस्यों को सुरक्षित निकालकर कोलियरी स्थित मधुरिमा स्किल डेवलपमेंट सेंटर में बनाए गए राहत शिविर में ठहराया गया है। संकट की इस घड़ी में यह सेंटर प्रभावितों के लिए एक बड़ा संबल साबित हो रहा है। जिला प्रशासन ने राहत शिविर में भोजन, चाय-नाश्ता, विश्राम, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं का पुख्ता इंतजाम किया है। शिविर में विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण के साथ-साथ अपनेपन और भरोसे का अहसास हो सके। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और एसडीएम धमतरी लगातार राहत शिविर का निरीक्षण कर रहे हैं। दोनों अधिकारी प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं।

पंडरीपानी में खुली एसबीआई की नई शाखा, 60 गांवों को मिलेगी बैंकिंग सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से जशपुर जिले के फरसाबहार तहसील क्षेत्र के पंडरीपानी में भारतीय स्टेट बैंक की नई शाखा शुरू होने से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। नई शाखा शुरू होने से पंडरीपानी सहित आसपास के करीब 60 गांवों के ग्रामीणों को अब अपने क्षेत्र में ही बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल रहा है। इससे बैंकिंग कार्यों के लिए दूर जाने की परेशानी कम होने के साथ ही ग्रामीणों के समय और यात्रा खर्च की भी बचत होगी।

नई बैंक शाखा से किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, महिलाओं, कर्मचारियों और पेंशनधारियों सहित विभिन्न वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने से किसानों को कृषि ऋण सहित अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। व्यापारियों और ग्रामीणों के लिए लेन-देन तथा अन्य वित्तीय कार्य भी अधिक सुविधाजनक होंगे।

ऋण सुविधाओं का लाभ भी स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा। इनमें होम लोन, कार लोन और शिक्षा ऋण सहित अन्य बैंकिंग सुविधाएं शामिल हैं। इससे क्षेत्रवासियों को अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

चिरायु योजना से मिली विकृति से निजात, तीन मासूमों की लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गंगालूर के संतोष साहनी अपने सवा साल के बेटे अयान के जन्म से कटे होंठ की समस्या को लेकर काफी चिंतित थे। चिरायु टीम ने आवश्यक जांच और प्रक्रिया पूरी कर उसे उपचार के लिए श्री मेडिशाइन अस्पताल भेजा गया। उपचार होने के बाद परिवार को बड़ी राहत मिली है।

बीजापुर जिले के दूरस्थ अंचलों में रहने वाले दो अन्य परिवारों के बच्चे जो इसी प्रकार की समस्या से पीड़ित थे उनका उपचार भी चिरायु योजना के माध्यम से हुआ। इशूलनार की आठ वर्षीय अंजलि हापका और तोड़का की तीन वर्षीय सविता ताती भी जन्मजात कटे होंठ की समस्या से प्रभावित थीं। चिरायु टीम ने दोनों बच्चियों को विशेषज्ञ उपचार के लिए रायपुर भेजा, जहां उनका नि:शुल्क उपचार हुआ।

अयान की समस्या की पहचान चिरायु टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान की थी। इसके बाद टीम ने आवश्यक जांच कराई और रायपुर में उपचार की प्रक्रिया पूरी की। बेटे का उपचार हो जाने से उनके पिता संतोष साहनी और उनके पूरे परिवार की चिंता कम हुई है। अयान के चेहरे में आया बदलाव पूरे परिवार के लिए मुस्कान की सौगात लेकर आया है।

इशूलनार निवासी अंजलि के पिता सुखमा हापका भी बेटी के उपचार को लेकर चिंतित थे। चिरायु टीम ने अंजलि का भी ऑपरेशन कराया। इसी तरह तोड़का निवासी सविता के पिता बीजू ताती के लिए भी बेटी का उपचार होना बड़ी राहत है। चिरायु योजना के माध्यम से सविता की पहचान और उपचार संबंधी प्रक्रिया पूरी की गई। रायपुर के श्री मेडिशाइन अस्पताल में उसका सफल उपचार हुआ। परिवार ने बेटी को मिली इस सहायता पर खुशी व्यक्त की है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 : जशपुर सियान आइडल में वरिष्ठ नागरिकों ने किया प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

- कांसाबेल और बगीचा में उत्साह के साथ हुई प्रतियोगिताएं,
- विजेता वरिष्ठजनों का शॉल-श्रीफल और प्रमाण पत्र से सम्मान
- वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव और प्रतिभा को मिल रहा मंच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उम्र के हर पड़ाव में प्रतिभा और उत्साह को अभिव्यक्त करने का अवसर मिले, इसी भावना के साथ सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के तहत जशपुर जिले के सभी विकासखंडों में 'सियान सेवा संकल्प-जशपुर सियान आइडल' प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों की प्रतिभा को मंच देने के साथ उनके अनुभव, सक्रियता और सामाजिक योगदान को सम्मानित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में जनपद पंचायत कांसाबेल में आयोजित 'सियान आइडल' कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर यह संदेश दिया कि उम्र बढ़ने के साथ जीवन का उत्साह और रचनात्मकता कम नहीं होती।

जनपद पंचायत बगीचा में भी 'सियान आइडल' के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन ने वरिष्ठजनों को एक-दूसरे से जुड़ने और अपनी प्रतिभा को सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को शॉल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री श्री जागेश्वर यादव, जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

रजिस्ट्री के साथ ही हो गया नामांतरण दफ्तरों के चक्कर काटने से मिली मुक्ति

कोरबा। छत्तीसगढ़ में शुरू की गई 'सेवा संकल्प स्वत: नामांतरण योजना' के तहत जमीन की रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया स्वत: प्रारंभ हो जाती है। इसके साथ ही नागरिकों को डिजिटल बी-वन एवं ई-बी-वन जैसे दस्तावेज आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। गीता वैली निवासी मोहित बत्रा ने प्लॉट खरीदा। स्वत: नामांतरण योजना ने उनकी यह चिंता दूर कर दी। श्री बत्रा बताते हैं कि उनका नामांतरण बेहद आसानी से हो गया और उन्हें डिजिटल बी-वन सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी प्राप्त हो गए। नई व्यवस्था ने नामांतरण को पहले की अपेक्षा काफी सरल और सुविधाजनक बना दिया है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

लॉज के कमरे में मिला युवती का शव : मौत की गुत्थी सुलझाने FSL के साथ जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। शहर के चर्चित छ्त05 रेस्टोरेंट-लॉज में 22 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

कमरे में युवती का शव मिलने के बाद अब पुलिस ने पूरे मामले की जांच तेज कर दी है। रविवार को FSL की टीम के साथ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की। जानकारी के मुताबिक मृतका की पहचान पिंकी मानिकपुरी (22 वर्ष), निवासी कवर्धा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवती 24 सितंबर से छ्त05 रेस्टोरेंट/लॉज में ठहरी हुई थी। कमरे से शव बरामद होने के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है। ख्रसरुटीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं पुलिस पूरे रेस्टोरेंट और लॉज परिसर की बारीकी से जांच कर रही है, ताकि घटना से जुड़े अहम सुराग मिल सकें।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने रेस्टोरेंट के संचालक और कर्मचारियों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। युवती के लॉज में ठहरने से लेकर उसकी मौत से पहले की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल युवती की मौत की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

खास खबर

आधी रात बिस्तर पर दिखा सांपः महिला की चीख से मचा हड़कंप, रेस्क्यू के बाद राहत

कोरबा। मानिकपुर इलाके में आधी रात एक घर में सांप घुसने से हड़कंप मच गया। रात करीब 3.30 बजे बिस्तर पर सांप देखकर महिला चीखने लगी। परिजनों को आशंका हुई कि महिला को सांप ने डस लिया है, जिसके बाद मोहल्ले में भी अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस सिपाही हितेश राव ने वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम के जितेंद्र सारथी को सूचना दी। सारथी ने पहले महिला को अस्पताल ले जाने की सलाह दी और फिर मौके पर पहुंचकर सावधानी से सांप का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद सांप की पहचान कॉमन वुल्फ स्नेक के रूप में हुई। रेस्क्यूअर जितेंद्र सारथी के मुताबिक, यह सांप जहरीला नहीं होता। इसका रंग-रूप करैत से मिलता-जुलता होने के कारण लोग अक्सर इसे जहरीला समझ लेते हैं। सांप को सुरक्षित पकड़ने के बाद जितेंद्र सारथी उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों को बताया कि पकड़ा गया सांप जहरीला नहीं है। इसके बाद महिला और उसके परिवार ने राहत की सांस ली। डॉक्टरों ने भी महिला की हालत ठीक बताई। घटना में समय पर सूचना मिलने और रेस्क्यू टीम के मौके पर पहुंचने से किसी अप्रिय घटना को टाला जा सका।

पुरानी रंजिश में युवक पर प्राणघातक हमला, 5 गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर प्राणघातक हमला करने के मामले में नैला पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में एक विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक के शामिल होने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू, स्टील पाइप और लकड़ी का डंडा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 24 सितंबर को जिला चिकित्सालय जांजगीर से संत कुमार बरैठ (45), निवासी ग्राम सिवनी खैरवार के भर्ती होने की सूचना मिली थी। मुलाहिजा रिपोर्ट में उसके सिर, दाहिने कंधे और बाएं हाथ में चोटें पाई गईं। डॉक्टर ने चोटों को गंभीर प्रकृति का बताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए नैला पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। विवेचना के दौरान आरोपियों से पूछताछ में घटना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर पुलिस ने चाकू, स्टील पाइप और लकड़ी का डंडा बरामद किया। पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर समीर सारथी उर्फ राजू, रंजीत सारथी उर्फ विक्की, प्रमोद कुमार यादव, संदीप सारथी और दीपक कुमार रोहिदास को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। कार्रवाई में निरीक्षक धर्मेंद्र वैष्णव, एएसआई नरेंद्र शुक्ला, प्रधान आरक्षक राजमणि द्विवेदी, जगदीश अजय, संतोष प्रधान, डीकेश्वर साहू और गोपेश्वर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

काशीराम नगर में चाकू लहराने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के काशीराम नगर में चाकू लहराकर राहगीरों को डराने-धमकाने वाले 19 वर्षीय युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से धारदार स्टील का चाकू बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर को सूचना मिली थी कि काशीराम नगर में एक युवक हाथ में चाकू लेकर राहगीरों को डरा रहा है। सूचना पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आयुष प्रकाश उर्फ छोटे (19), निवासी श्याम नगर, गोकुल कॉम्प्लेक्स के सामने, थाना तेलीबांधा, रायपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक धारदार स्टील का चाकू बरामद हुआ। चाकू रखने के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर आरोपी के खिलाफ थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 420/26, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई।

धमतरी में प्रार्थना सभा को लेकर बवाल

धर्मांतरण के आरोप पर आमने-सामने हिंदू-क्रिश्चियन संगठन, सड़क पर नारेबाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। शहर के टिकरापारा इलाके में क्रिश्चियन प्रार्थना सभा को लेकर शनिवार को विवाद की स्थिति बन गई। प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण कराए जाने का आरोप लगाते हुए हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। इसके बाद क्रिश्चियन संगठन से जुड़े लोग भी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों की ओर से नारेबाजी होने लगी। स्थिति को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। तहसीलदार के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई और हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। हंगामे के चलते मुख्य सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

हिंदू संगठनों की ओर से आरोप लगाया गया कि प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी आरोप को लेकर कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, क्रिश्चियन पक्ष की ओर से प्रार्थना सभा को धार्मिक गतिविधि बताया जाता रहा है। ऐसे में मौके पर दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से विवाद की स्थिति बनी। हाल के दिनों में भी धमतरी में प्रार्थना सभाओं और कथित धर्मांतरण को लेकर विवाद सामने आते रहे हैं।

विवाद बढ़ने की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। तहसीलदार की मौजूदगी में पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया और स्थिति को नियंत्रित किया। प्रार्थना सभा और धर्मांतरण को लेकर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस स्तर पर नहीं हुई है। प्रशासन की ओर से मामले में तथ्य और संबंधित गतिविधियों की जांच किए जाने की बात सामने आई है।

घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण रोकने के लिए सरकार ने कानून बनाया है, लेकिन यदि इसके बाद भी ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं और धर्मांतरण नहीं रुक रहा है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने सरकार को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि उसे इस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए कि वह धर्मांतरण रोकने में सक्षम नहीं हो पा रही है।

धमतरी में प्रार्थना सभाओं को लेकर पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा है। सितंबर में चर्चों और प्रार्थना सभा स्थलों में प्रवेश को लेकर भी विवाद सामने आया था। कुछ चर्चों के बाहर गैर-ईसाइयों के प्रवेश को लेकर सूचना बोर्ड लगाए जाने की रिपोर्ट सामने आई थी, जबकि क्रिश्चियन फोरम ने इसे सुरक्षा से जुड़ा कदम बताया था।

32 लाख की ट्रांसपोर्ट धोखाधड़ी में फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत रायगढ़ कोतवाली पुलिस ने ट्रांसपोर्ट कंपनी से करीब 32 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार आरोपी प्रकाश मिश्रा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस के बढ़ते दबाव के बीच न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। न्यायालय की अनुमति के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया।

पुलिस के अनुसार श्रीराम ट्रांसपोर्ट, ढिमरापुर चौक के संचालक कमल किशोर शाह ने 24 मार्च 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कंपनी में कार्यरत प्रकाश मिश्रा और दीपक शर्मा पर फर्जी बिल-वाउचर तैयार कर भुगतान प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था। जांच में सितंबर 2025 से फर्जीवाड़ा किए जाने तथा एक ही वाउचर नंबर पर अलग-अलग वाहनों के नाम से डुप्लीकेट वाउचर तैयार कर भुगतान कराने की जानकारी सामने आई। जांच के दौरान कंपनी के बिल-वाउचरों में दर्ज वाहन नंबरों का आरटीओ से सत्यापन कराया गया। इनमें कई वाहन दोपहिया और छोटे निजी वाहन निकले, जिनका माल परिवहन या श्रीराम ट्रांसपोर्ट से कोई संबंध नहीं था। पुलिस ने संबंधित वाहन मालिकों से भी पूछताछ की। मामले में सह आरोपी दीपक शर्मा को पुलिस ने 29 जुलाई को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसके द्वारा प्रकाश मिश्रा के साथ मिलकर फर्जी बिल-वाउचर तैयार करने और अलग-अलग बैंक खातों में राशि ट्रांसफर कराने की जानकारी सामने आई। पुलिस के अनुसार खाताधारक कमीशन काटने के बाद रकम आरोपियों द्वारा बताए गए बैंक खातों, क्यूआर कोड और फोन-पे नंबरों पर वापस भेजते थे। पुलिस के मुताबिक करीब 32 लाख रुपये के फर्जीवाड़े में दीपक शर्मा ने लगभग 15 लाख रुपये अपने पास रखने तथा करीब 16-17 लाख रुपये प्रकाश मिश्रा को दिए जाने की जानकारी दी थी। अब प्रकाश मिश्रा से पूछताछ में डिजिटल लेनदेन और अन्य संदिग्ध बैंक खातों से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रकाश मिश्रा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया। मामले में प्रयुक्त बैंक खातों, डिजिटल लेनदेन और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है।

रायपुर में सड़क हादसे से मौत, मारपीट और डीजे विवाद समेत कई मामले दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना, मारपीट, धमकी और शासकीय कार्य में बाधा से जुड़े कई मामले दर्ज किए गए हैं। खमतराई थाना क्षेत्र में तेज और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि मोवा, सिविल लाइन और कबीरनगर क्षेत्रों में अलग-अलग विवादों को लेकर मारपीट की घटनाएं सामने आईं।

खमतराई थाना में दर्ज मामले के अनुसार, रिंग रोड नंबर-3 स्थित जवतकी ढाबा के पास एक वाहन चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार राजेश कुमार कुर्रे (48), निवासी ग्राम मुंगी, को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल राजेश कुर्रे का मोवा स्थित बालाजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। मोवा थाना क्षेत्र के दलदल सिवनी स्थित शीतला मंदिर के पास गणेश विसर्जन के दौरान हुए विवाद में एक युवक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। इसी तरह खमतराई के उरकुरा स्थित श्रीराम नगर शक्तिपारा में प्रसाद वितरण को लेकर हुए विवाद में दो महिलाओं के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है।

मोवा थाना क्षेत्र में ही अनंत विहार निवासी एक युवक के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा गाली-गलौज और मारपीट किए जाने की शिकायत दर्ज हुई है। वहीं, कबीरनगर थाना क्षेत्र में उधार पैसे मांगने की बात पर हुए विवाद में पत्थर से हमला कर चोट पहुंचाने का मामला सामने आया है।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एलआईसी बिल्डिंग के सामने नाल रोड ब्रिज के नीचे गणेश विसर्जन ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ विवाद और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि रात 10 बजे के बाद डीजे बंद कराने के दौरान कुछ युवकों ने पुलिस स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार किया।

डोंगरगढ़ में नशे के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा : 250 नशीली टैबलेट के साथ 21 वर्षीय युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

डोंगरगढ़। छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में नशे के कारोबार पर पुलिस ने एक बार फिर करारा प्रहार किया है। रेलवे स्टेशन के पास नशीली टैबलेट बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे 21 वर्षीय आरोपी को पुलिस ने घेराबंदी कर धर दबोचा। आरोपी के बैग से **Nitrazepam Tablets IP (Nizascen-10)** की 250 नशीली गोलियां बरामद हुई हैं, जिनकी कीमत करीब 1125 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। नशे के खिलाफ डोंगरगढ़ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में 25 सितंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन डोंगरगढ़ के कालकापारा क्षेत्र के पास एक युवक नशीली टैबलेट लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए हुलिए के आधार पर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान सुनील निषाद उर्फ लाला निषाद, पिता दीपक निषाद, उम्र 21 वर्ष, निवासी लक्ष्मी नगर, कलमना मार्केट, नागपुर, महाराष्ट्र के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पिट्ठू बैग से लाल-काले रंग के बैग में रखी पॉलीथीन के अंदर 25 पत्ते **Nitrazepam Tablets IP (Nizascen-10)** बरामद किए गए। प्रत्येक पत्ते में 10 टैबलेट थीं, यानी कुल 250 नशीली टैबलेट पुलिस ने जब्त कीं। पुलिस ने बरामद नशीली टैबलेट को विधिवत जब्त करते हुए आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 563/2026, धारा 22(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि, क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और नशे के कारोबार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से साफ है कि, नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

पांच वर्षीय बालिका से लैंगिक अपराध के आरोपी को आजीवन कारावास

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। थाना उतई क्षेत्र में पांच वर्षीय बालिका से संबंधित गंभीर लैंगिक अपराध के मामले में विशेष न्यायालय (पॉक्सो), दुर्ग ने आरोपी धनेंश्वर साहू उर्फ जनता (40) को दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास सहित विभिन्न सजाओं से दंडित किया है। न्यायालय ने विभिन्न धाराओं के तहत 7 वर्ष, 10 वर्ष एवं 7 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा भी सुनाई है। इसके साथ ही अलग-अलग धाराओं में कुल 13 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड जमा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतने का आदेश दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 10 अप्रैल 2026 को थाना उतई क्षेत्र के कुंआंपारा, बंजारीपारा में करीब साढ़े चार वर्षीय बालिका से संबंधित लैंगिक अपराध की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर थाना उतई में तत्काल अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी धनेंश्वर साहू उर्फ जनता, निवासी बंजारीपारा उतई, को 11 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार किया। विवेचना पूर्ण करने के बाद पुलिस ने 25 अप्रैल 2026 को अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

न्यायिक अभिलेख के अनुसार, प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 109, 238 एवं 65(2), लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 5(ड) सहपठित धारा 6 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(2)(1) के तहत अभियोजन किया गया।

विशेष न्यायालय (पॉक्सो), दुर्ग ने 25 सितंबर 2026 को आरोपी को दोषसिद्ध किया तथा 26 सितंबर 2026 को सजा संबंधी आदेश पारित किया। न्यायालय द्वारा विभिन्न धाराओं में आजीवन कारावास तथा 7 वर्ष, 10 वर्ष और 7 वर्ष के सश्रम कारावास की सजाएं निर्धारित की गईं। साथ ही कुल 13 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

पुलिस टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिकाः प्रकरण की विवेचना एवं वैधानिक कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक नेवई श्रीमती भारती मरकाम, निरीक्षक महेश ध्रुव, तत्कालीन थाना प्रभारी उतई एवं वर्तमान थाना प्रभारी धमधा, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, तत्कालीन थाना उतई एवं वर्तमान थाना प्रभारी पुरानी भिलाई सहित थाना उतई के पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मामले में आरक्षक जी. जगमोहन, राजीव दुबे, महेश यादव, विक्रम साहू, महिला आरक्षक पूजा सोनकर, बिंदु भाले तथा रक्षित केंद्र दुर्ग के आरक्षक खेमू राम साहू ने भी आवश्यक कार्रवाई में योगदान दिया।

प्रकरण की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्रीमती रूपवती तेलीदार ने न्यायालय में पैरवी की।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस की अपीलः दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहें। बच्चों के साथ किसी भी प्रकार के लैंगिक अपराध, शोषण अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने पीड़ित बच्चे की पहचान और निजता की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने तथा मामले से जुड़ी संवेदनशील जानकारी अनावश्यक रूप से सार्वजनिक नहीं करने की अपील की है।

दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के मामले में 3 साल से फरार स्थाई वारंटी गरियाबंद से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में लंबे समय से फरार आरोपियों एवं स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक धमतरी, भावना पांडेय के निर्देशन में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना सिहावा पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के गंभीर प्रकरण में लगभग 3 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को जिला गरियाबंद से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

2023 से फरार चल रहा था आरोपी- थाना सिहावा के अपराध क्रमांक 92/2023 में आरोपी राकेश उर्फ बैराग्य मरकाम, उम्र 26 वर्ष, निवासी भालूपानी, थाना शोभा, जिला गरियाबंद के विरुद्ध गंभीर अपराध दर्ज किया गया था। प्रकरण में आरोपी के फरार रहने के कारण पुलिस द्वारा लगातार उसकी तलाश की जा रही थी। आरोपी के लगातार फरार रहने पर उसके विरुद्ध न्यायालय में फरारी चालान प्रस्तुत किया गया, जिसके पश्चात दिनांक 13 सितंबर 2023 को माननीय न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था।

स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए थाना सिहावा पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित कर लगातार संभावित ठिकानों पर निगरानी एवं पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से आरोपी के जिला गरियाबंद में मौजूद होने की सूचना प्राप्त हुई।

सूचना की तस्दीक के बाद सिहावा पुलिस की टीम तत्काल गरियाबंद रवाना हुई। टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर को आरोपी राकेश उर्फ बैराग्य मरकाम को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी की कार्यवाही पूर्ण करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय से प्राप्त जेल वारंट के आधार पर आरोपी को जिला जेल धमतरी में दाखिल कराया गया है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम- राकेश उर्फ बैराग्य मरकाम, उम्र 26 वर्ष- पिताः फागुवा राम मरकाम- निवासीः भालूपानी, थाना शोभा, जिला गरियाबंद (छ.ग.)

दर्ज अपराध - अपराध क्रमांकः 92/2023, थाना सिहावा - धाराएंः 363, 366, 376(2)(द) बीएनएसएएस एवं धारा 6 पॉक्सो एक्ट इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सिहावा निरीक्षक चक्रधर बाघ, सउनि दुलाल नाथ, आरक्षक हरीश कावड़े एवं वाहन चालक आरक्षक हेमलाल ध्रुव का विशेष योगदान रहा। धमतरी पुलिस द्वारा जिले में फरार आरोपियों एवं स्थाई वारंटियों की धरपकड़ का अभियान लगातार जारी है।

साइबर ठगी से बचने सतर्क रहें

रायपुर। डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों से बचने के लिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। साइबर सुरक्षा को लेकर जारी जागरूकता संदेश में नागरिकों से अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक और ऑनलाइन लालच से सावधान रहने की अपील की गई है। साइबर अपराधी फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक, लॉटरी, सस्ते लोन और अन्य तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना सकते हैं। नागरिकों को अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा किसी भी व्यक्ति के साथ OTP, UPI पिन और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी गई है। साइबर धोखाधड़ी होने पर पीड़ित तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

खास-खबर

नियमित राशन से परिवारों को राहत, घर की अन्य जरूरतों के लिए भी बच रही राशि

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनकल्याणकारी योजनाएँ जरूरतमंद परिवारों के जीवन में राहत पहुँचा रही हैं। बलरामपुर की जया देवी और शिवमाला देवी के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा मुख्यमंत्री खाद्यान्न सुरक्षा योजना से मिलने वाला नियमित राशन घर चलाने का संबल बना है।

बलरामपुर के वार्ड क्रमांक 11 निवासी श्रीमती जया देवी को शासकीय उचित मूल्य दुकान से हर महीने चावल, चना और नमक मिल रहा है। हर महीने राशन मिलने से घर चलाने में बहुत मदद मिलती है।

श्रीमती शिवमाला देवी के परिवार को भी पात्रता के अनुसार उचित मूल्य दुकान से नियमित खाद्यान्न मिल रहा है। वे बताती हैं कि इससे महीने के राशन की चिंता कम हुई है और परिवार का बजट संभालना आसान हुआ है। नियमित खाद्यान्न उनके परिवार के लिए राहत और सुरक्षा का आधार बना है। दोनों महिलाओं ने जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

एशियन गेम्स-2026 में छाए छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी

कबड्डी में भारतीय महिलाओं ने जीता स्वर्ण संजू देवी को मुख्यमंत्री ने दी जीत की बधाई

- साय ने भारतीय टीम की स्टार खिलाड़ी संजू देवी से की फोन पर बातें
- संजू की उपलब्धि बनेगी प्रदेश की बेटियों की प्रेरणा
- भारत की ऐतिहासिक जीत में कोरबा की संजू ने निभाई बड़ी भूमिका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी सुश्री संजू देवी को फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सुश्री संजू देवी से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री संजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल

> संजू देवी की सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं।
> – विष्णु देव साय

छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक

देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। कोरबा की संजू देवी ने अपनी मेहनत और खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर, प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के गांवों, आदिवासी अंचलों और छोटे शहरों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें।

उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। भारतीय टीम की इस स्वर्णिम सफलता में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की सुश्री संजू देवी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुश्री संजू देवी भारतीय राष्ट्रीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय महिला कबड्डी टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को भी इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय खिलाड़ी आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

महिला 400 मीटर में शानदार प्रदर्शन, प्राची को वित्त मंत्री चौधरी ने दी बधाई

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला 400 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय एथलीट प्राची को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्राची चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वह 53.21 सेकंड का समय निकालकर तीसरे नंबर पर रहीं। बहरीन की सलवा नासेर ने गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने एशियन गेम्स का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। ईरान की जहरा जारेई मनौजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। श्री चौधरी ने कहा कि प्राची ने अपनी शानदार रफ्तार, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व और हर्ष का अवसर है। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित मंच पर पदक हासिल करना प्राची के निरंतर परिश्रम, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिणाम है। उनकी सफलता देश की युवा खेल प्रतिभाओं, विशेषकर बेटियों को बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

नारायणपुर में बाढ़ का मंजर

बैल खोलने खेत गया मंगलू बाढ़ में फंसा, रेस्क्यू टीम ने बचाई जान

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जिले में लगातार जारी मूसलाधार बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं। इस बीच, माड़ीन नदी के अचानक बढ़ते जलस्तर के कारण ग्राम तारागांव में बाढ़ के पानी के बीच फंसे 55 वर्षीय ग्रामीण को जिला प्रशासन, पुलिस और नगर सेना की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बाहर निकाल लिया।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश तथा कलेक्टर के मार्गदर्शन में चलाए गए इस रेस्क्यू ऑपरेशन में बचाव दल ने अदम्य साहस का परिचय दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम तारागांव निवासी गोपी राम पटेल (55 वर्ष) नदी किनारे स्थित अपने खेत में बंधे बैल को खोलने गए थे।

उसी दौरान नदी का जलस्तर अप्रत्याशित रूप से तेजी से बढ़ गया, जिससे वे चारों तरफ से पानी से घिर गए। जान बचाने के लिए वे पास ही स्थित एक आम के पेड़ पर चढ़ गए और घंटों उसी के सहारे फंसे रहे।

सूचना मिलते ही एसडीओपी छोटेडोंगर, जिला सेनानी (नगर सेना) के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी धौड़ाई के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद टीम ने सूझबूझ से गोपी राम को सुरक्षित निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद उन्हें तुरंत धौड़ाई स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य की जांच की और भोजन उपलब्ध कराया।

कलमानार में 09 परिवारों को सुरक्षित किया

जिले के ओरछा विकासखंड अंतर्गत ग्राम कलमानार में भी नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। सम्भावित आपदा को देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए नदी किनारे बसे 09 परिवारों को समय रहते सुरक्षित स्थानों और उनके रिश्तेदारों के यहाँ शिफ्ट करा दिया है। प्रशासन की टीमों द्वारा प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और बुनियादी जरूरतों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

आपात स्थिति के लिए कंट्रोल रूम नंबर जारी

भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन ने नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील की है। लोगों को उफनते नदी-नालों, निचले इलाकों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति या जलभराव की सूचना देने के लिए जिला कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 07781-252214 पर संपर्क किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में मिलन सेवा : 97 हजार से अधिक लोगों ने की सहभागिता

- सुपोषित थाली का प्रदर्शन माता व बच्चों के पोषण पर हुआ संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश में शुक्रवार से शुरू हुई 'आंगन मिलन सेवा' के पहले दिन आंगनबाड़ी केंद्रों में उत्सव जैसा माहौल रहा। राज्यभर में 2,262 स्थानों पर 12,698 गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 97,471 लोगों ने सहभागिता की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मुंगेली जिले के मदकू में आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए और

माताओं एवं बच्चों के पोषण का संदेश दिया।

आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती माताओं का स्वागत किया गया। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों, दालों और हरी सब्जियों का प्रदर्शन कर परिवारों को संतुलित भोजन के बारे में बताया गया। सुपोषित थाली के माध्यम से महिलाओं ने जाना कि रोजमर्रा के भोजन में विविध खाद्य पदार्थ शामिल कर माताओं और बच्चों का पोषण कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रमों में बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया और पोषण तथा मातृ स्वास्थ्य से जुड़े अनुभव साझा किए।

महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थियों ने बताया कि योजनाओं से मिली सहायता से वे अपनी और अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। आंगन मिलन सेवा के माध्यम से परिवारों और समुदाय को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ते हुए बच्चों के पोषण को साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया गया।

रक्षक पाठ्यक्रम के लिए छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग को स्कॉच-3 गोल्ड अवार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अभिनव 'रक्षक' पाठ्यक्रम को स्कॉच-3 गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया है। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के नेतृत्व में तैयार इस पहल को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

यह सम्मान स्कॉच ग्रुप के चेयरमैन समीर कोचर ने प्रदान किया। इस अवसर पर पर्यावरणविद सुश्री सुनीता नारायण, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की सुश्री पूनम मुटरेजा, भारत सरकार के पूर्व सचिव संजय कुमार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पूर्व महासचिव भरत लाल उपस्थित थे।

डॉ. शर्मा ने बताया कि पुरस्कार की चयन प्रक्रिया में आयोग ने जूरी के समक्ष 'रक्षक' पाठ्यक्रम का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। मूल्यांकन के बाद इस पहल को गोल्ड श्रेणी में चुना गया।

'रक्षक' यानी पोस्ट ग्रेजुएशन

डिप्लोमा इन प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स एक वर्षीय, दो सेमेस्टर का पाठ्यक्रम है। इसमें प्रवेश की न्यूनतम योग्यता स्नातक है। इसका उद्देश्य बाल संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना है।

पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक अध्ययन के साथ फील्ड वर्क, केस स्टडी और प्रोजेक्ट रिपोर्ट को शामिल किया गया है। विद्यार्थी बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्ड, बाल देखरेख संस्थाओं और स्वैच्छिक संगठनों के कार्यों से सीधे जुड़कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम में पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह एवं बाल श्रम प्रतिषेध, दत्तक ग्रहण, शिक्षा का अधिकार और पुनर्वास योजनाओं से जुड़े विषय शामिल हैं।

आयोग के अनुसार विश्वविद्यालयों के संबंधित बोर्ड या परिषद की अनुमति से प्रदेश के विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा।

इससे युवाओं को बाल संरक्षण, परामर्श और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे।

खेतों में उतरकर कलेक्टर ने देखा डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील ने विकासखंड सूरजपुर के ग्राम पर्री का दौरा कर डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का जायजा लिया। उन्होंने गांव के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित खेतों तक पहुंचकर सर्वे की प्रक्रिया देखी। कलेक्टर ने स्वयं भी डिजिटल क्रॉप सर्वे कर खेत की जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया एवं प्रगति का अवलोकन किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों से सर्वे के दौरान अपनाई जा रही प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सर्व के दौरान वास्तविक रूप से बोई गई फसल का ही विवरण दर्ज करें। उन्होंने कहा कि फसल की पहचान और जानकारी दर्ज करने के कार्य में पूरी सावधानी बरतें ताकि किसानों से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड सही और त्रुटिरहित तैयार हो। श्रीमती जमील ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे किसानों के हित से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने सर्वे कार्य में लगे अमले को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य को गंभीरता से पूरा करें और प्रत्येक प्रविष्टि की पुष्टि करने के बाद ही उसे दर्ज करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950